RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 262 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 20-04-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 घुसपैठ के जरिए तृणमूल बदल रही बंगाल की ममता सरकार : मोदी

6 महिला आरक्षण की फिर वही परिणति क्यों?

7 बॉलीवुड के 'कॉमेडी किंग' हैं अरशद वारसी

फर्स्ट टेक

साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़, 52 गिरफ्तार

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद पुलिस ने रविवार को कहा कि उसने नौ राज्यों में 52 आरोपियों को गिरफ्तार करके एक अखिल भारतीय साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी सी सज्जनार ने एक विज्ञप्ति में कहा कि 'ऑपरेशन ऑक्टोपस 2.0' के तहत कार्रवाई करते हुए मिलीभगत के आरोप 32 बैंक अधिकारियों, 15 फर्जी खाताधारकों और पांच बिचौलियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि हाल में शुरू किए गए अभियान के तहत उन बैंक अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है

भारत किसी को परेशान नहीं करता, हमला करने वालों को नहीं बख्शता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राधापुरम (तमिलनाडु)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत किसी को परेशान नहीं करता, लेकिन देश पर हमला करने वालों को बख्शता नहीं है। यह टिप्पणी उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के संदर्भ में की। सिंह ने यह टिप्पणी जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी हमले के एक साल पूरे होने से कुछ दिन पहले की है। पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों की हत्या कर दी थी और इस घटना ने पूरे देश में आक्रोश पैदा कर दिया था। उन्होंने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए राधापुरम में भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार के समर्थन में आयोजित एक रोड शो को संबोधित करते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर-याद रखिए, हम किसी को परेशान नहीं करते, लेकिन अगर कोई हमें परेशान करेगा तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। इंतजार कीजिए, आपकी महत्वाकांक्षाएं जरूर पूरी होंगी, मैं आपको भरोसा दिलाता हूं। तमिलनाडु में विधानसभा की सभी 234 सीट के लिए 23 अप्रैल को मतदान होगा।

पहलगाम आतंकी हमले के तुरंत बाद भारत ने पाकिस्तान के अंदर स्थित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया।

हम महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करेंगे

वासुदेवनल्लूर (तमिलनाडु)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित संशोधन विधेयक के पारित न हो पाने को लेकर कांग्रेस और द्रमुक की आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि सरकार इसे लागू करने के लिए दृढ़ संकल्पित है और ''दुनिया की कोई भी शक्ति हमें ऐसा करने से नहीं रोक सकती।''

तेनकासी जिले में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए वासुदेवनल्लूर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार अनंतन अय्यासामी के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने भ्रष्टाचार को लेकर सत्तारूढ़ द्रमुक पर जमकर हमला बोला और लोगों से चुनाव में उसे ''अलविदा'' कहने का आग्रह किया।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

न्यायिक पारदर्शिता

न्यायिक घेरे के भीतर,
यदि न्यायालय होगा।
तब ही सही फैसले लेना,
सचमुच तय होगा।
हो सकता ना कोई निरंकुश,
सत्य विजय होगा।
ऐसा लोकतंत्र दुनिया में,
कभी न क्षय होगा।।

ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद रखने पर अड़ा

काहिरा/एपी। ईरान ने अपने बंदरगाहों की नाकेबंदी जारी रहने तक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर रोक लगाने के फैसले पर और कड़ा रुख अपना लिया है। अमेरिकी नाकाबंदी और ईरान के कड़े रुख के बीच मध्यस्थ युद्धविराम की अवधि बढ़वाने की कोशिश कर रहे हैं, जो बुधवार को खत्म हो जाएगी। नाकेबंदी के कारण पाकिस्तान की मध्यस्थता में हो रही कोशिशें जटिल हो गई हैं और अब सवाल खड़ा हो गया है कि दो हफ्ते का संघर्षविराम आगे बढ़ पाएगा या नहीं।

25 Years of Excellence
Jayagovind Harigopal Agarwal
AGARSEN COLLEGE
ADMISSIONS OPEN 2026-27
COURSES OFFERED
UNDERGRADUATE COURSES
B.Sc. (Criminology & Criminal Justice Science)
B.Sc. (Computer Science)
B.Sc. (Computer Science with Data Science)
B.C.A.
B.Com. (General)
B.Com. (Corporate Secretaryship)
B.Com. (Computer Applications)
B.Com. (Information System Management)
B.Com. (Accounting & Finance)
B.B.A.
POSTGRADUATE COURSE
M.Com. (General)
RESEARCH PROGRAMME
Ph.D. (Commerce) (Full-Time / Part-Time)
TRANSPORT FACILITY AVAILABLE
1. Redhills-Puzhal-Vadagarai- Pickup and Drop
2. Rettery-Perambur-Moolakadai- Pickup and Drop
3. Manali-Mathur-Milk Colony- Pickup and Drop
SPECIAL CONCESSION
Special Fee Concession for Girl Students & Sports Achievers
Management Meritorious Scholarship Based on +2 Marks
Online Application 6th April 2026
Offline Application 13th April 2026
APPLY NOW
APPLY ONLINE VISIT https://agarsencollege.com/
NO CAPITATION FEE
SCHOLARSHIP
Endowment Scholarship by Agarwal Relief & Educational Trust JHA Agarsen College
EDUCATIONAL SCHOLARSHIP by Govt.Of Tamil Nadu / SC/ST/Minority/Central Government Sector Scholarship / Meritorious Scholarship
contact@agarsencollege.com
https://agarsencollege.com/
+91 8925502751 /52 /53
044 4791 1178 / 044 4979 1177
+91 8925502753/+91 9791104794
No. 1, Manjambakkam Road, Madhavaram, Chennai - 600060

इक्कीसवीं पुण्यतिथि
आपकी यादों के चिराग हमारे दिलों में
हमेशा जलते रहेंगे, प्रण यही है हमारा
आपके प्रदर्शित पथ पर हमेशा चलते रहेंगे।

आत्मीय भावांजलि
हे आदरणीय अर्पित है भावांजलि।
स्वीकार करें हे पुण्य आत्मा,
हम सबकी यह श्रद्धांजलि।।

स्व. श्री सुमेरमलजी छाजेड़ (S. M. Jain)
27 जनवरी 1939-20 अप्रैल 2005 (गढ़ सिवाना-राजस्थान)

: श्रद्धावनत :
पुत्र एवं पुत्रवधु : राजेन्द्र जैन-अनिता , पौत्र : यश जैन, पौत्री-पौत्री जंवाई : श्रेया-प्रभुजी,
भाई : अशोककुमार, रमेशकुमार, भतीज: जितेन्द्रकुमार, विपिनकुमार, साईंनाथ, महेश एवं समस्त छाजेड़ परिवार
पुत्री-दामाद : किरणदेवी-मिलापचन्दजी बंदामुथा, ललितादेवी-अशोककुमारजी कोठारी
दोहिते : रीतेश जैन, निखिल जैन, अक्षयकुमार, दोहित्री : नेहा

ARKAY GROUP OF COMPANIES
(MINING / DRYPORTS / FINANCE / STEEL / HOSPITALITY / REAL ESTATE)
BANGALORE - BELLARY

THE FERN RESIDENCY
Series by Marriot Hotel of Arkay group
Seshadripuram, Bangalore

जीतो नॉर्थ लेडीज विंग की 'माइक मास्टर्स कार्यशाला' सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) नार्थ लेडीज विंग द्वारा आयोजित 'माइक मास्टर्स-मास्टरिंग दि आर्ट ऑफ पब्लिक स्पीकिंग' का समापन रविवार को जीतो कार्यालय में हुआ। नॉर्थ लेडीज विंग की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने स्वागत करते हुए कहा कि माइक मास्टर्स केवल सार्वजनिक तौर पर बोलना सिखाने का मंच नहीं, बल्कि झिझक को आत्मविश्वास में बदलने की एक सशक्त प्रक्रिया है।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित लेखा जैन ने पब्लिक स्पीकिंग को एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल बताते हुए कहा कि यह आत्मविश्वास, नेतृत्व और स्पष्ट अभिव्यक्ति को विकसित करता है। विशिष्ट अतिथि वैशाली बेताला ने आत्मविश्वास को निरंतर अभ्यास और सही मार्गदर्शन का परिणाम बताते हुए बच्चों को निडर होकर अपनी बात रखने के लिए प्रेरित किया।ङ्गप्रशिक्षकों में पायलट फैकल्टी नरेश गादिया ने प्रभावी संप्रेषण को लोगों से जुड़ने की कला बताते हुए प्रतिभागियों के उल्लेखनीय परिवर्तन की सराहना की। सहपायलट फैकल्टी कृषा शाह ने स्पष्टता, बॉडी लैंग्वेज एवं प्रभावी प्रस्तुति के महत्व पर प्रकाश डाला, जबकि अवधि चौहान ने संरचित सोच और मॉक सेशन्स की उपयोगिता को आत्मविश्वास निर्माण की कुंजी बताया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 30 प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न विषयों पर दिए गए प्रभावशाली भाषण रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया।

सऊदी अरब में हो सकता है लश्कर-ए-तैयबा का 'खरगोश', फर्जी पासपोर्ट इस्तेमाल करके पहुंचा विदेश

श्रीनगर/दिल्ली/भाषा। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का आतंकवादी उमेर हारिस उर्फ 'खरगोश' सज्जाद नाम से जारी जाली पासपोर्ट का इस्तेमाल करके देश छोड़ने के बाद संभवत: सऊदी अरब पहुंच गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

सज्जाद के बारे में दावा किया गया है कि वह राजस्थान का निवासी है। एलईटी के इस अंतर-राज्यीय आतंकी मॉड्यूल की जांच का नेतृत्व कर रही श्रीनगर पुलिस ने केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के साथ यह जानकारी साझा की है।

अधिकारियों ने कहा कि इससे उन खामियों को लेकर चिंता बढ़ी है, जिनके कारण इस तरह के दुरुपयोग संभव हो पाते हैं। उन्होंने बताया कि इस महीने की शुरुआत में जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा दर्ज किया गया मामला संभवतः राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपा जाएगा। साथ ही, संबंधित राज्य पुलिस बलों को भी जानकारी दी गई है ताकि तुरंत कार्रवाई हो सके और खामियों को दूर किया जा सके। पहले की रिपोर्टों में कहा गया था कि हारिस कराची का रहने वाला है लेकिन अब सामने आया है कि वह पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा का निवासी है। अधिकारियों ने कहा कि वह लश्कर-ए-तैयबा में इसलिए शामिल हुआ ताकि वह पुलिस कार्रवाई से बच सके क्योंकि उसके खिलाफ कराची में आगजनी के कई मामले लंबित थे। बाद में उसे आतंकी संगठन ने 2012 में जम्मू-कश्मीर भेज दिया। हारिस को 'खरगोश' उपनाम इसलिए मिला क्योंकि वह बहुत तेजी से जगह बदलकर सुरक्षा एजेंसियों की पकड़ से बच निकलता था। जांच और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के अनुसार, हारिस कश्मीर घाटी में उत्तरी दिशा से घुसपैठ करने के बाद बांदीपोरा और श्रीनगर के अलग-अलग स्थानों पर रहा। उसने लश्कर के एक आतंकी (ओवर ग्राउंड वर्कर) की बेटी से शादी भी की। यह निकाह समारोह उसके झूठे नाम सज्जाद के साथ जयपुर में हुआ था।

शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल एवं विजयनगर निवासी क्षेमा अभिवृद्धि संघ के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को रामोत्सव के उपलक्ष्य में विजयनगर में विशाल शोभायात्रा का हिंदू ध्वज लहरा कर शुभारंभ करते हुए सदाशिवानंदाचार्य स्वामी, पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा, पूर्व विधान परिषद सदस्य अश्वतनारायण, पूर्व पार्षद एच रविंद्र, समाजसेवक महेंद्र मुणोत, आयोजक एमएल शिवकुमार एवं हिंदू कार्यकर्ता।

धर्मनिष्ठा सेवा ट्रस्ट का हुआ शुभारंभ, ट्रस्ट का लोगो व वेबसाइट लांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अक्षय तृतीया एवं भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर धर्मनिष्ठा सेवा ट्रस्ट बेंगलूरु का विधिवत पंजीकरण एवं शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर ट्रस्ट का आधिकारिक लोगो और वेबसाइट भी लॉन्च की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनिल सिंह सिकरवार, निशु कमल, राजेश्वर कुमार, अनिल कुमार सिंह उपस्थित थे। प्रवीण पांडेय ने सभी अतिथि का स्वागत करते हुए ट्रस्ट के उद्देश्यों की जानकारी दी। ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म एवं हिंदू परंपराओं के संरक्षण और प्रसार पर केंद्रित है। संस्था द्वारा नियमित रूप से पूजा, यज्ञ, भजन एवं आध्यात्मिक सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही मंदिर संबंधित गतिविधियों, धार्मिक उत्सवों एवं तीर्थ यात्राओं को सहयोग प्रदान किया जाएगा। ट्रस्ट धर्मग्रंथों के प्रति जागरूकता फैलाने, नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा को बढ़ावा देने तथा धर्म आधारित जीवन शैली को प्रोत्साहित करने के लिए भी कार्य करेगा, ताकि आने वाली पीढ़ियों में परंपराओं की निरंतरता बनी रहे।

इस अवसर पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों की घोषणा भी की गई। प्रवीण कुमार पांडे को अध्यक्ष, श्याम मुरारी को उपाध्यक्ष, राजमणिकुमार सिन्हा को महासचिव, राम मोहन पाठक को सचिव, प्रभात मिश्रा को संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया। सलाहकार के रूप में शैलेश मिश्रा को लिया गया है। नीरज कुमार शर्मा को कोषाध्यक्ष तथा सतीश मिश्रा को संयुक्त कोषाध्यक्ष बनाया गया।

सुस्मिता पाठक को प्रवक्ता और कमलेश यादव को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। प्रशासनिक एवं प्रबंधन टीम में नितिन शर्मा को मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राजेश कुमार को मुख्य परिचालन अधिकारी, राहुल पांडे को मुख्य सूचना अधिकारी तथा मनोज गुप्ता को मुख्य वित्तीय अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई।

नेशनल हेराल्ड मामला: उच्च न्यायालय में सोनिया-राहुल के खिलाफ ईडी की याचिका पर सुनवाई आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें अधीनस्थ अदालत के आदेश को चुनौती दी गई है। अदालत ने अपने आदेश में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ नेशनल हेराल्ड से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी के आरोप पत्र पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया गया था। मामला सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष सूचीबद्ध है। 22 दिसंबर को उच्च न्यायालय ने गांधी परिवार और अन्य को मुख्य याचिका के साथ-साथ ईडी के उस आवेदन पर भी नोटिस जारी किया था जिसमें 16 दिसंबर, 2025 के अधीनस्थ अदालत के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी।

अधीनस्थ अदालत ने कहा था कि इस मामले में एजेंसी की शिकायत का संज्ञान लेना 'कानूनी रूप से अस्वीकार्य' है क्योंकि यह प्राथमिकी पर आधारित नहीं है।

गांधी परिवार के अलावा उच्च न्यायालय ने ईडी की याचिका पर सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, यंग इंडियन, डॉटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड और सुनील भंडारी को भी नोटिस जारी किया था। ईडी ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ-साथ कांग्रेस के दिवंगत नेताओं मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीस, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और एक निजी कंपनी यंग इंडियन पर साजिश रचने और धन शोधन करने का आरोप लगाया है।आरोप है कि उन्होंने नेशनल हेराल्ड अखबार प्रकाशित करने वाली 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' (एजेएल) की लगभग 2,000 करोड़ रुपए की संपत्तियां हासिल कीं। इसमें आगे आरोप लगाया गया कि गांधी परिवार के पास यंग इंडियन के 76 प्रतिशत शेयर थे, जिसने 90 करोड़ रुपए के ऋण के बदले एजेएल की संपत्तियों पर 'धोखाधड़ी' से कब्जा कर लिया था।सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता 19 फरवरी को ईडी की ओर से पेश हुए और उन्होंने तर्क दिया कि यह मामला 'कानून का एक स्पष्ट प्रश्न' है और अधीनस्थ अदालत द्वारा संज्ञान लेने से इनकार करने के कारण 'स्पष्ट रूप से विपरीत है'। मामले की बहस कानून के आधार पर होनी चाहिए, तथ्यों के आधार पर नहीं, और अधीनस्थ अदालत के निष्कर्ष अन्य मामलों में 'बाधा' बन रहे हैं।

अपने आदेश में अधीनस्थ अदालत ने कहा था कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की अनुसूची में उल्लिखित अपराध के लिए प्राथमिकी के अभाव में धन शोधन के अपराध से संबंधित जांच और उसके परिणामस्वरूप अभियोजन शिकायत (आरोपपत्र के समकक्ष) पोषणीय नहीं है।

प्रचार

भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत रविवार को मुर्शिदाबाद जिले के कंडी में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले एक रोड शो के दौरान कंडी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार गार्गी दास घोष के साथ प्रचार करती हुई।

रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री मोदी की तुलना 'असुर' से कर संवैधानिक पद का अपमान किया है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तुलना रामायण में उल्लेखित असुर मारीच से करने को लेकर रविवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि उन्होंने संवैधानिक पद का अपमान किया है और नफरत कांग्रेस की पहचान बन गई है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि कांग्रेस के एक सूत्र ने उन्हें बताया है कि विपक्षी दल के सभी नेताओं को आला कमान द्वारा मोदी को निशाना बनाने का निर्देश दिया गया है।

रेड्डी ने शनिवार को यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि मोदी सरकार 2029 के लोकसभा चुनावों में अपनी स्थिति मजबूत करने के इरादे से महिलाओं को आरक्षण संबंधी संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए दबाव डाल रही है। उन्होंने कहा, मारीच माता सीता को भ्रमित करने आया था। मोदी जी और पूरा भाजपा-राजग गठबंधन भी संविधान छीनने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हम ऐसी किसी भी कोशिश को सफल नहीं होने देंगे।

पूनावाला ने रेड्डी पर नफरत फैलाने का आरोप लगाते हुए उन्हें नफरत के भाईजान करार दिया। उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने मोदी को अपशब्द कहकर प्रधानमंत्री के संवैधानिक पद का अपमान किया है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा, रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री की तुलना असुर से की है... कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर 150 से अधिक अपशब्दों की बौछार की है। वे उन्हें फिर से अपशब्द कह रहे हैं क्योंकि उन्होंने 'नारी शक्ति' का समर्थन किया। यह कोई संयोग नहीं बल्कि सोच-समझकर प्रयोग किया गया है।

पूनावाला ने कहा, उन्होंने चुनाव आयोग और न्यायपालिका के साथ ऐसा किया है। यहां तक कि भारत के राष्ट्रपति को भी नहीं बख्शा गया और उन्हें 'राष्ट्रपत्नी' कहा गया। उन्होंने सशस्त्र बलों, सनातन और संवैधानिक पदों का अपमान किया है। उन्होंने आगे कहा, यह 'मोहब्बत की दुकान' नहीं, यह 'नफरत के भाईजान' हैं। यही कांग्रेस की पहचान बन गई है।

रोड शो

05-एक्ट्रेस कौशानी मुखर्जी ने रविवार को दुर्गापुर में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले दुर्गापुर ईस्ट विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार प्रदीप मजूमदार के समर्थन में एक रोड शो किया।

उत्तराखंड में गंगोत्री, यमुनोत्री मंदिरों के कपाट खुले, चारधाम यात्रा शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। छह माह बंद रहने के बाद अक्षय तृतीया के पर्व पर रविवार को गंगोत्री और यमुनोत्री धामों के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ फिर से खोल दिए गए तथा इसके साथ ही उत्तराखंड में इस वर्ष की चारधाम यात्रा की शुरुआत हो गई।

इस वर्ष पहली बार गंगोत्री सहित तीन धामों में गैर सनातनियों के प्रवेश पर प्रतिबंध और विशेष शर्तें लागू की गई हैं।

उत्तरकाशी जिले में स्थित दोनों धामों में पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से की गई जबकि गंगोत्री मंदिर के कपाट खुलने के मौके पर प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी पहुंचे और चारधाम यात्रा के सफल आयोजन तथा देश-प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

धार्मिक विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गंगोत्री मंदिर के कपाट अपराह्न करीब 12:15 बजे तथा यमुनोत्री मंदिर के कपाट 12:35 बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इस दौरान दोनों धामों में मौजूद सैकड़ों श्रद्धालु 'हर-हर गंगे' और 'जय मां यमुना' के जयकारे लगा रहे थे।

मुख्यमंत्री धामी ने गंगोत्री धाम में प्रधानमंत्री मोदी के नाम से पहली पूजा कर देश और प्रदेश की समृद्धि की प्रार्थना की। धामी ने कहा कि उत्तराखंड के चारधाम देश-विदेश के श्रद्धालुओं के लिए आस्था के प्रमुख केंद्र हैं और राज्य सरकार ने यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुगम बनाने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार का यह प्रयास है कि यहां आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को दिव्य धामों का आशीर्वाद मिलने के साथ ही उनकी यात्रा का अनुभव सुरक्षित, सुखद और यादगार हो। साथ ही धामी ने श्रद्धालुओं से 'ग्रीन और क्लीन' चारधाम यात्रा के लिए सहयोग की अपील भी की।

उत्तराखंड के चारधामों में शामिल अन्य दो धाम-रुद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ मंदिर के कपाट 22 अप्रैल को तथा चमोली जिले के बदरीनाथ मंदिर के कपाट 23 अप्रैल को खोले जाएंगे।

इस वर्ष तीन धामों में गैर सनातनियों के प्रवेश को लेकर अलग-अलग शर्तें तय की गई हैं। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने दोनों मंदिर परिसरों में प्रवेश के लिए सनातन धर्म के प्रति आस्था का हलफनामा अनिवार्य किया है, जबकि गंगोत्री मंदिर समिति ने पंचगव्य (गोबर, गोमूत्र, दूध, दही और घी) ग्रहण करने के बाद ही प्रवेश की अनुमति देने की घोषणा की है।

हालांकि, यमुनोत्री मंदिर समिति ने अलग रुख अपनाते हुए बिना जाति-धर्म पूछे श्रद्धाभाव से आने वाले सभी श्रद्धालुओं के स्वागत का निर्णय लिया है।

इसके अलावा, इस बार चारों धामों के मंदिर परिसरों में मोबाइल फोन और कैमरों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।

पिछले वर्ष चारधाम यात्रा में 51 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे थे, जबकि इस वर्ष अब तक करीब 19 लाख श्रद्धालु ऑनलाइन और ऑफलाइन पंजीकरण करा चुके हैं।

उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित ये चारों धाम सर्दियों में भारी बर्फबारी और भीषण ठंड के कारण हर साल अक्टूबर-नवंबर में बंद कर दिए जाते हैं और अप्रैल-मई में पुनः श्रद्धालुओं के लिए खोले जाते हैं।

भूटान के मंत्री ने अजंता की गुफाओं का दीदार किया, भित्तिचित्रों को 'अद्भुत' बताया

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। भूटान के गृह मंत्री ल्योंपो शेरिंग ने महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित अजंता गुफा परिसर का दौरा किया और आगंतुक पुस्तिका में लिखी टिप्पणी में अपने अनुभव को 'अद्भुत' बताया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शेरिंग शनिवार को विश्व धरोहर दिवस के मौके पर अजंता की गुफाओं को देखने पहुंचे और प्राचीन भारतीय कला की सबसे प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध कृतियों में से एक पद्मपानी बोधिसत्व की भित्तिचित्रों को देख बहुत प्रभावित हुए और काफी समय वहां बिताया।

भूटान के गृहमंत्री को परिसर का दौरा कराने वाले गाइड राहुल निकम ने 'पीटीआई-भाषा'को बताया, वह पूर्वाह्न 11 बजे अजंता गुफा परिसर पहुंचे। उन्होंने गुफा संख्या 1, 2, 5, 9, 10, 12, 17 और 26 का दौरा किया। मंत्री ने गुफा संख्या 1 में पद्मपानी के भित्तिचित्रों को देखने में सबसे अधिक समय बिताया।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारी मनोज पवार ने बताया कि भूटान के मंत्री ने अपनी यात्रा का वर्णन करते हुए आगंतुक पुस्तिका में 'अद्भुत' लिखा।

मनमाड रेलवे स्टेशन पर ओवरहेड उपकरण पर चढ़ा व्यक्ति, ट्रेन सेवाएं बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के नासिक जिले के मनमाड रेलवे स्टेशन पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब मानसिक रूप से अशक्त व्यक्ति एक गैन्ट्री पर चढ़ गया और 'हाईटेंशन ओवरहेड' तार से लटक गया। इस घटना के कारण बिजली आपूर्ति रोकनी पड़ी, जिससे ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

शुक्रवार दोपहर को हुई इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है जिसमें एक व्यक्ति स्टेशन की छत पर चढ़ता हुआ दिख रहा है जबकि रेलवे कर्मचारी और वहां मौजूद लोग उसे बचाने के प्रयास करते नजर आ रहे हैं।

बचाव प्रयास की वीडियो क्लिप में साफ नजर आ रहा है कि व्यक्ति गैन्ट्री पर चढ़ा और ऊपर लगे उपकरणों से खतरनाक तरीके से लटक गया जिसे देखकर प्लेटफार्म पर भीड़ जमा हो गई, जबकि पांच से छह लोग उसे नीचे उतारने की कोशिश में उसका पीछा करते दिखे।

पुलिस और रेलवे कर्मचारी व्यक्ति को सुरक्षित नीचे लाए जाने का इंतजार कर रहे थे।

मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल नीला ने बताया कि यह घटना अपराह्न करीब तीन बजे हुई जब 30 साल का व्यक्ति प्लेटफॉर्म की छत पर और बाद में एक गैन्ट्री पर चढ़ गया। उन्होंने कहा, ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) की बिजली बंद कर दी गई और व्यक्ति को बचाने के लिए तुरंत प्रयास किए गए। इस दौरान एहतियात के तौर पर कुछ ट्रेनों को अन्य प्लेटफार्म पर भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि व्यक्ति को सुरक्षित बचाए जाने और स्थिति पर काबू पाने से पहले लगभग 40 मिनट तक अफरा-तफरी की स्थिति रही। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटना के कारण ट्रेनों का परिचालन कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ था।

महिला आरक्षण विधेयक को रोकना कांग्रेस की विभाजनकारी राजनीति का प्रतीक : विष्णु देव साय

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने महिला आरक्षण संबंधी संवैधानिक संशोधन विधेयक को पारित होने से रोकने के लिए बांटो और राज करो की नीति अपनाई है। उन्होंने मुख्य विपक्षी दल के इस कदम को देश की 70 करोड़ महिलाओं के साथ 'विश्वासघात' और 'घोर पाप' करार दिया। साय ने यहां स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जब भी अवसर आया है, कांग्रेस महिला आरक्षण को कानूनी जामा पहनाने की कोशिशों को समर्थन देने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अंग्रेजों की 'बांटो और राज करो' की नीति का अनुसरण कर रही है और गत तीन दशक से केवल महिला आरक्षण के बारे में बात कर रही है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, लेकिन, जब भी सार्थक कार्रवाई करने और कानून बनाने का समय आता है, कांग्रेस के सदस्य मुंह मोड़ लेते हैं।

तमिलनाडु के विरुधुनगर में पटाखा फैक्टरी में भीषण धमाका, 23 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विरुधुनगर/भाषा। तमिलनाडु के विरुधुनगर के निकट स्थित एक पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में कम से कम 23 श्रमिकों की मौत हो गई और छह अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस और अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, घायल हुए छह लोगों में से चार की हालत नाजुक है और उनका विरुधुनगर सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज जारी है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में कई लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है।

यह विस्फोट वाचकारपत्ती पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत कट्टनरपत्ती में मुथुमानिकम के स्वामित्व वाली 'वनजा' पटाखा फैक्टरी में हुआ।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इस पटाखा निर्माण इकाई को नागपुर स्थित पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) से लाइसेंस मिला हुआ है।

परिसर में कथित तौर पर 100 से अधिक श्रमिक काम कर रहे थे।

ऐसा माना जा रहा है कि विस्फोट बरामदे वाले क्षेत्र में हुआ, जहां कथित तौर पर श्रमिक कच्चे माल से पटाखों को अंतिम रूप दे रहे थे।

विस्फोट का प्रभाव इतना भीषण था कि कम से कम तीन कमरे मलबे में तब्दील हो गए और आसपास की कई इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा।

एक पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हमने अब तक 23 शव बरामद किए हैं, जिनमें से कई बुरी तरह जल चुके थे।''

अधिकारी ने बताया कि घायल छह लोगों में से तीन महिलाएं हैं और वे 60 प्रतिशत तक जल गई हैं।

सूत्रों के अनुसार, अग्निशमन और बचाव कर्मियों ने कई घंटों तक आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन शुरुआती विस्फोट के काफी देर बाद भी पटाखे फटते रहने के कारण बचाव अभियान में काफी बाधा आई। सूत्रों के मुताबिक, आशंका है कि मलबे के नीचे और भी श्रमिक फंसे हो सकते हैं।

यह घटना इस क्षेत्र में इस वर्ष की सबसे घातक औद्योगिक दुर्घटना है। यह घटना उसी जिले के वेम्बाकोट्टई क्षेत्र में कुछ ही दिनों पहले हुए एक ऐसे ही विस्फोट के बाद घटी है, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी।

इस बीच, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने अपना दुख व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने बचाव अभियान में तेजी लाने के लिए दो मंत्रियों को घटनास्थल पर भेजा है।

स्टालिन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''विरुधुनगर जिले के कट्टनरपत्ती में पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में कई लोगों की मौत की खबर से गहरा दुख हुआ है। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।'' उन्होंने कहा, ''इस दुर्घटना की जानकारी मिलते ही मैंने जिला कलेक्टर से संपर्क किया और उन्हें सभी आवश्यक सहायता का समन्वय करने का निर्देश दिया।''

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस त्रासदी पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ये वे श्रमिक थे जो आजीविका कमाने के लिए सुबह अपने घर से निकले थे। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं और मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।''

प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''तमिलनाडु के विरुधुनगर में एक पटाखा कारखाने में विस्फोट से कई लोगों की मौत की खबर से मैं बहुत दुखी हूं। मेरी हार्दिक संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।''

प्रधानमंत्री मोदी का महिला आरक्षण को हथियार की तरह इस्तेमाल करने का दांव उल्टा पड़ा : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसुर/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने रविवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का तमिलनाडु समेत अन्य राज्य विधानसभाओं के लिये जारी चुनाव प्रक्रिया के दौरान महिला आरक्षण को विपक्षी दलों के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का दांव उल्टा पड़ गया है।

यहाँ एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी की तीखी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने 18 अप्रैल को महिला आरक्षण के मुद्दे पर राष्ट्र के नाम अपने टेलीविजन संबोधन के दौरान विपक्ष पर निशाना साधा।

द्रमुक अध्यक्ष ने कहा कि उस संबोधन को ''प्रधानमंत्री का संबोधन कहने के बजाय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)नेता मोदी का राजनीतिक भाषण'' कहना अधिक उचित होगा। उन्होंने कहा कि पृष्ठभूमि में तिरंगा होने और चुनावों के कारण आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद, मोदी ने अपने भाषण में विपक्षी दलों की आलोचना करने का विकल्प चुना।

स्टालिन ने आरोप लगाया,''चुनावी जनसभा में जो कुछ कहा जाना चाहिए था, वही बात प्रधानमंत्री ने आधिकारिक सरकारी संबोधन में कही है, और यह नियमों का घोर उल्लंघन है।'' उन्होंने कहा कि संसद में सरकार की पहली हार (संविधान संशोधन विधेयक के मुद्दे पर) के कारण तनाव में आने की वजह से प्रधानमंत्री इस तरह से बोल रहे हैं।

स्टालिन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को लगा था कि अगर चुनाव के बीच संसद में परिसीमन विधेयक लाया जाता है, तो द्रमुक इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित नहीं करेगी। उन्होंने कहा,''हालांकि, नतीजा बिलकुल उल्टा निकला। दक्षिणी राज्यों की जनता में भारी आक्रोश है, और उनके (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन)की करारी हार निश्चित हो गई है।''

द्रमुक अध्यक्ष ने कहा कि इसलिए, ''नुकसान की भरपाई करने'' के लिए, मोदी विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण को विफल करने का आरोप लगाकर उन्हें ''अनुचित रूप से निशाना बनाने'' की कोशिश कर रहे हैं।

स्टालिन ने दावा किया, '' यह भी कारगर नहीं हुआ। चुनाव के दौरान उन्होंने जिस हथियार से हम (द्रमुक सहित विपक्षी दलों) को निशाना बनाने की कोशिश की, वह उन्हीं पर उल्टा पड़ गया है।''

हम महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करेंगे, कोई भी शक्ति हमें रोक नहीं सकती : राजनाथ

वासुदेवनल्लूर (तमिलनाडु)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित संशोधन विधेयक के पारित न हो पाने को लेकर कांग्रेस और द्रमुक की आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि ''सरकार इसे लागू करने के लिए दृढ़ संकल्पित है और दुनिया की कोई भी शक्ति हमें ऐसा करने से नहीं रोक सकती।'' तेनकासी जिले में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए वासुदेवनल्लूर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार अनंतन अय्यासामी के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, उन्होंने भ्रष्टाचार को लेकर सत्तारूढ़ द्रमुक पर जमकर हमला बोला और लोगों से चुनाव में उसे ''अलविदा'' कहने का आग्रह किया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा ''संसद, विधानसभाओं और विधान परिषदों में हमारी माताओं और बहनों के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने के संबंध में संसद में एक विधेयक लाया गया। द्रमुक, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और वामपंथी दलों ने इसे पारित नहीं होने दिया। फिर भी, मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प के आधार पर आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम निश्चित रूप से महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण देंगे और दुनिया की कोई भी ताकत हमें रोक नहीं सकती।''

भाजपा नीत केंद्र सरकार को बड़ा झटका लगा, क्योंकि संसद-विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 2029 से 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 816 करने के उद्देश्य से लाया गया संविधान संशोधन विधेयक शुक्रवार को खारिज हो गया। भ्रष्टाचार को लेकर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर निशाना साधते हुए सिंह ने कहा कि तमिलनाडु के कुछ मंत्री प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों की नजर में हैं और टीएएसएमएसी (तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड) घोटाला इस बात का उदाहरण है कि राज्य में ''भ्रष्टाचार कितना गहराई से फैला हुआ'' है।

परिसीमन का उद्देश्य मतों को विभाजित करना है, महिलाओं को सशक्त बनाना नहीं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

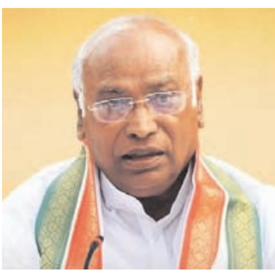

होसुर (तमिलनाडु)/भाषा। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि विपक्ष प्रस्तावित परिसीमन का विरोध कर रहा है क्योंकि इसका उद्देश्य मतों को बांटकर शासन करना है।

खरगे ने कहा कि इसे राजनीतिक लाभ के लिए महिलाओं के आरक्षण के उपाय के रूप में गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यह महिलाओं का सशक्तिकरण नहीं है।

कर्नाटक सीमा के पास होसुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य विपक्षी दलों को कमजोर करने के लिए मनमाने ढंग से निर्वाचन क्षेत्रों में बदलाव करना है। उन्होंने इसे रोकने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए तमिलनाडु की जनता, उसके सांसदों और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को श्रेय दिया।

होसुर में कन्नड़ और तमिल भाषी आबादी की अच्छी खासी संख्या है। उन्होंने कहा, यह महिलाओं के लिए आरक्षण विधेयक नहीं है; यह परिसीमन कानून है। उन्होंने विपक्षी दलों के वोट को बांटकर शासन करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि गठबंधन ने परिसीमन के प्रयास के खिलाफ ऐतिहासिक जीत हासिल की है।

अंग्रेजी और कन्नड़ में बोलते हुए खरगे ने स्टालिन की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक कर्मठ व्यक्ति बताया जो आत्मसम्मान के लिए संघर्ष करते हैं और किसी भी धर्म में अंधविश्वास के बिना नेतृत्व करते हैं। उन्होंने कहा कि स्टालिन ने पेरियार ई.वी. रामासामी, सी.एन. अन्नादुरई और एम. करुणानिधि जैसे नेताओं की गरिमा, तर्कसंगत विचार और समानता पर आधारित विरासत को आगे बढ़ाया।

कांग्रेस की वैचारिक विरासत का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू वैज्ञानिक चिंतन और तर्कशक्ति में विश्वास रखते थे और दलील दी कि द्रविड़ और कांग्रेस दोनों परंपराओं ने अंधविश्वास को नकारते हुए सत्य और न्याय का समर्थन किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए खरगे ने 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून के क्रियान्वयन में देरी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, यह कानून 2023 में पारित हुआ था। आपने इसे लागू क्यों नहीं किया? वे 30 महीने तक चुप रहे, और आज कह रहे हैं कि कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और अन्य विपक्षी दल महिलाओं के खिलाफ हैं।''

खरगे ने कहा कि विपक्ष महिला सशक्तिकरण का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, हम महिलाओं के समर्थन में हैं, हम लोकतंत्र के समर्थन में हैं, हम न्याय के समर्थन में हैं, और हम जनता के लिए न्याय और समानता के समर्थन में हैं।

महिलाएं आरक्षण विधेयक को लेकर द्रमुक को माफ नहीं करेंगी : अन्नाद्रमुक प्रमुख पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नमक्कल। आल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव ई.के. पलानीस्वामी ने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार पर महिला आरक्षण संशोधन विधेयक का विरोध करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि प्रत्येक महिला सत्तारूढ़ पार्टी को माफ नहीं करेगी।

पलानीस्वामी ने तिरुचेंगोडे निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सवाल किया, केंद्र सरकार ने आखिर क्या प्रस्ताव रखा था? यह महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाला विधेयक था, फिर भी द्रमुक ने इसे पारित नहीं होने दिया। कांग्रेस और द्रमुक ने ही महिलाओं के उन अधिकारों में बाधा डाली जो उन्हें मिलने वाले थे। अन्नाद्रमुक द्वारा महिलाओं के लिए आरक्षण की इच्छा जताते हुए राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पलानीस्वामी ने कहा कि द्रमुक से जुड़े दलों में इस मुद्दे के प्रति प्रतिबद्धता की कमी है।

उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमसे परामर्श किया और हमने अपनी सहमति दी, जिसके बाद उन्होंने विधेयक पेश किया। हालांकि, द्रमुक ने अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ मिलकर इसके खिलाफ मतदान किया और यह सुनिश्चित किया कि यह पारित नहीं हो। क्या इस राज्य की महिलाएं उन्हें कभी माफ कर पाएंगी?'' परिसीमन विधेयक पर पलानीस्वामी ने कहा कि केंद्र के इस आश्वासन के बावजूद कि तमिलनाडु प्रभावित नहीं होगा, द्रमुक ने इसका विरोध किया। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जनसंख्या आधारित परिसीमन से राज्य के प्रतिनिधित्व में कमी आने की आशंका जतायी गई थी। उनके अनुसार, केंद्र ने स्पष्ट किया था कि तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व घटेगा नहीं, बल्कि प्रस्तावित सीट की संख्या 39 से बढ़ाकर 59 किए जाने के साथ यह 7.18 प्रतिशत से बढ़कर 7.23 प्रतिशत हो सकता है। उन्होंने कहा, केंद्र का रुख पूरी तरह से तमिलनाडु के पक्ष में था।

स्टालिन पर देश की जनता को निराश करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, आपने (स्टालिन) जनता के सपनों को चकनाचूर कर दिया है और विशेष रूप से महिलाओं के सपनों को। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा, द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन को करारा सबक सिखाएं, जिसने संसद और राज्य विधानसभाओं दोनों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान में बाधा डाली।

खड़गपुर के लिए विशेष ट्रेन आज

चेन्नई। दक्षिणी रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रीष्म ऋतु के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए ट्रेन संख्या 06003/06004 डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल - खड़गपुर - इरोड एक्सप्रेस स्पेशल चलाई जा रही है। ट्रेन संख्या 06003 डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल - खड़गपुर एक्सप्रेस स्पेशल 20 अप्रैल, सोमवार को सुबह 10:00 बजे डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन शाम 4:00 बजे खड़गपुर पहुंचेगी वापसी में ट्रेन संख्या 06004 खड़गपुर - इरोड एक्सप्रेस स्पेशल 21 अप्रैल मंगलवार को शाम 7 बजे खड़गपुर से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन सुबह 3 बजे इरोड पहुंचेगी। इस ट्रेन में 1 - एसी टू टियर कोच, 1 - एसी थ्री टियर कोच, 15 - स्लीपर क्लास कोच और 2 - सेकंड क्लास कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) कोच होंगे।

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38
भारतीय रेल

निविदा सूचना सं.सडिका / बिजली/निर्माण/2026-27, दिनांक: 20.04.2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से उप मुख्य बिजली इंजीनियर / अनु / शेल, सवारी डिब्बा कारखाना निम्नलिखित कार्य के लिए ई- निविदा आमंत्रित करते हैं

निविदा सं.	कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य (रुपए लाख में)	बयाना राशि रुपए में	निविदा बंद करने की तारीख और समय
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
2026245212102	**ईएल - एएमसी - 2022-23-77** सवारी डिब्बा कारखाना / चेन्नै में उपलब्ध दो अदद 2 x 50 Kwp सौर फोटोवोल्टिक पॉवर प्लांट की तीन वर्ष की अवधि हेतु एएमसी।	13.03	26,100/-	12.05.2026 at 15.30 hrs.

आवेदन जमा करने की वेबसाइट: www.ireps.gov.in

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निम्नलिखित ई निविदा - आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। फर्मों से अनुरोध है कि वे **www.ireps.gov.in** पर लॉगिन करें और निविदा के लिए अपना कोटेशन प्रस्तुत करें। इस निविदा के लिए मैन्युअल कोटेशन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

खुली निविदा संख्या	आइटम का संक्षिप्त विवरण	निविदा मूल्य	निविदा की तिथि अंतिम तिथि और समय
2026476212189	3 वर्ष की अवधि के लिए "शॉप-15" ('एल' शेड, स्प्रिंग शॉप) में उपलब्ध 'क्रेसेंट टेक्नॉलजीस' मेक के एक ऑटोमैटिक स्प्रिंग पेंट बूथ ओवन सहित और एक फॉस्फेटिंग प्लांट इनवॉइस संख्या 7518 और 7519, हेतु 'व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध' (सीएएमसी) का कार्य अनुबंध।	रु.86,73,000/-	दिनांक 02.05.2026 के 12.00 बजे तक

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर / संयंत्र

आईसीएफ़ हॉस्पिटल, चेन्नै - 600 038.

अधिसूचना

नं.एम डी/आई सी एफ़/ज़रूरत अनुसार — दिनांक : 16-04-2026

ज़रूरत अनुसार विशेषज्ञ डॉक्टरों से संपर्क

आई सी एफ़ हॉस्पिटल, चेन्नै - 600 038 में ज़रूरत अनुसार निम्नलिखित क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों से संपर्क हेतु योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

क्र.संख्या.	विशेषज्ञता	विशेष रुचि का क्षेत्र/विशेषज्ञता
1	न्यूरोलॉजी (तंत्रिका रोग)	न्यूरोलॉजिस्ट(तंत्रिका रोग विशेषज्ञ)
2	कार्डियोलॉजी (हृदय रोग)	कार्डियोलॉजिस्ट(हृदय रोग विशेषज्ञ)
3	एंडोक्रिनोलॉजी	एंडोक्रिनोलॉजिस्ट
4	रह्यूमेटोलॉजी	रह्यूमेटोलॉजिस्ट
5	ऑन्कोलॉजी	मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट
6	रेडियोलॉजी	अल्ट्रा साउंड स्कैनिंग के लिए रेडियोलॉजिस्ट
7	यूरोलॉजी	यूरोलॉजिस्ट
8	साइकेट्री	साइकेट्रिस्ट

आवेदन पत्र ,एक नियत फॉर्मेट में और पूरे किए सभी आवश्यक दस्तावेज़ो के साथ ए 4 साइज़ के कागज़ में भरा जाना चाहिए।

विज्ञापन, आवेदन फॉर्म के विवरण एवं अन्य विवरण सवारी डिब्बा कारखाना की वेबसाइट. https://icf.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध हैं।

आवेदन पत्र वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं या इन्हें पी सी एम ओ के ऑफ़िस से भी लिया जा सकता है और पूरे भरे व हस्ताक्षर किए, सभी आवश्यक दस्तावेज़ो की स्व सत्यापित प्रतियों सहित प्रिंसिपल चीफ़ मेडिकल ऑफिसर ,आई सी एफ़ हॉस्पिटल, चेन्नै 600 038 के ऑफ़िस में **14 मई 2026** को या उससे पहले जमा कर दिए जाने चाहिएं।(ऊपर दिए ज़रूरत अनुसार विशेषज्ञों की आवश्यकता अई आर एच एस के विशेषज्ञ जब और अगर उपलब्ध हो गए तो फर्क भी हो सकती है।)

प्रिंसिपल चीफ़ मेडिकल ऑफिसर,
आई सी एफ़ हॉस्पिटल/ चेन्नै - 600 038.

संपर्क नं. 044 26146640, 26146633

कांग्रेस और द्रमुक ने महिलाओं के साथ 'विश्वासघात' किया : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के खिलाफ मतदान करने को लेकर कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर रविवार को तीखा हमला किया और उन पर संसद एवं विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण से वंचित कर उनसे विश्वासघात'' करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार इस ''साजिश'' को सफल नहीं होने देगी और देश की महिलाओं के लिए न्याय सुनिश्चित करेगी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मोडक्कुरिची से अपनी पार्टी की उम्मीदवार कृतिका शिवकुमार के समर्थन में यहां आयोजित रोड शो में भरोसा जताया कि इस चुनाव के बाद राज्य में 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) प्रमुख ई. के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार बनाएगा।

शाह ने कहा, ''कांग्रेस और द्रमुक ने पूरे देश और तमिलनाडु की माताओं-बहनों को संसद और विधानसभाओं में (आरक्षण से) निश्चित रूप से वंचित किया है। तमिलनाडु के लिए (लोकसभा सीटों में) 50 प्रतिशत वृद्धि का मौका था, लेकिन 2026 की जनगणना के आधार पर सीट बढ़ाने पर जोर देकर उन्होंने तमिलनाडु की सीट घटाने की साजिश रची है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से तमिलनाडु के लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम कांग्रेस और द्रमुक की इस साजिश को सफल नहीं होने देंगे। हम तमिलनाडु के लोगों और तमिलनाडु की महिलाओं को निश्चित रूप से न्याय दिलाएंगे।''

शाह ने ''परिवारवादी राजनीति'' को लेकर सत्तारूढ़ द्रमुक पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, (मुख्यमंत्री) स्टालिन का पूरा ध्यान अपने बेटे (उदयनिधि) को मुख्यमंत्री बनाने पर है। पहले करुणानिधि, फिर स्टालिन और अब उनका बेटा। ऐसे वंशवादी दल तमिलनाडु के लोकतंत्र का कोई भला नहीं कर सकते। शाह ने कथित भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था के मुद्दों को लेकर भी द्रमुक की आलोचना की। उन्होंने कहा, राज्य में अन्नाद्रमुक एवं भाजपा की सरकार बनने पर द्रमुक का भ्रष्ट शासन खत्म होगा। हम तमिलनाडु में भी अन्य राज्यों की तरह कानून-व्यवस्था बेहतर बनाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम तमिलनाडु की खोई हुई गरिमा वापस लाने का प्रयास करेंगे।

शाह ने भाजपा को मिलने वाले ''उत्साहपूर्ण समर्थन'' की भी सराहना की। भाजपा के शीर्ष नेता ने अपने प्रचार वाहन से कीर्तिका के लिए वोट मांगे और जनता से अपील की कि वे उन्हें भारी मतों के अंतर से विजयी बनाएं।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री आज से तमिलनाडु के दो दिवसीय चुनाव प्रचार पर

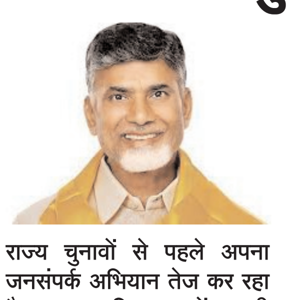

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू सोमवार से तमिलनाडु में दो दिवसीय चुनाव प्रचार दौरे पर रहेंगे। उनका यह दौरा राज्य विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सघन जनसंपर्क अभियान के हिस्से के रूप में आयोजित किया जा रहा है। इस यात्रा का उद्देश्य कार्यकर्ताओं में जोश भरना, मतदाताओं से जुड़ाव मजबूत करना और राज्य के प्रमुख क्षेत्रों में गठबंधन के विकासोन्मुखी दृष्टिकोण को सुदृढ़ करना है। आंध्र प्रदेश सरकार के एक सूत्र ने रविवार को बताया, नायडू सोमवार से तमिलनाडु में दो दिवसीय चुनाव प्रचार दौरे की शुरुआत करेंगे, क्योंकि राजग राज्य चुनावों से पहले अपना जनसंपर्क अभियान तेज कर रहा है। राजग तमिलनाडु में अपनी उपस्थिति मजबूत करते हुए सुशासन, आर्थिक विकास और समावेशी विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा।

पहले दिन, मुख्यमंत्री कोयंबटूर से अपने दौरे की शुरुआत करेंगे, जहां वे दोपहर में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे होसुर जाएंगे और फिर थल्ली में एक जनसभा में शामिल होंगे। शाम को वह चेन्नई पहुंचेंगे और आवडी में एक रोड शो में भाग लेंगे, जहां वे लोगों और राजग समर्थकों से सीधे बातचीत करेंगे। दूसरे दिन, नायडू मदुरै जाएंगे और फिर सत्तूर रवाना होंगे, जहां वे सामुदायिक नेताओं से बातचीत करेंगे और दोपहर बाद एक महत्वपूर्ण चुनावी कार्यक्रम में भाग लेंगे। दो दिवसीय जनसंपर्क कार्यक्रम के बाद शाम को उनकी वापसी के साथ यह दौरा समाप्त होगा। अभियान के महत्व को रेखांकित करते हुए, नायडू से अपेक्षा की जाती है कि वे शासन और विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए, भारत की व्यापक विकास दिशा के संदर्भ में तमिलनाडु के लिए राजग के दृष्टिकोण को स्पष्ट करेंगे।

विपक्ष ने महिलाओं को सिर्फ वोट बैंक समझा, महिला सशक्तिकरण उनका सिर्फ नारा : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विपक्ष पर महिलाओं के मुद्दे पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष ने हमेशा महिलाओं को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है, जबकि महिला सशक्तिकरण उनके लिए केवल एक नारा भर रहा है। उन्होंने कहा कि समय आने पर महिलाएं इस मानसिकता का जवाब देंगी। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जिन दलों की सरकारें लंबे समय तक रहीं, उन्होंने कभी भी महिलाओं को उनका अधिकार देने के लिए ठोस प्रयास नहीं किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में आरक्षण देने की दिशा में पहल की, लेकिन विपक्ष के नकारात्मक रवैये के कारण यह प्रयास सफल नहीं हो सका।

उन्होंने कहा कि इस मुद्दे से देश की माताओं-बहनों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। विपक्ष ने अपनी राजनीति के कारण इसे एक काला अध्याय बना दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने सदन में हर सवाल का जवाब दिया और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर समर्थन की अपील की, लेकिन विपक्ष ने महिला विरोधी रुख अपनाया।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी समाज की प्राथमिकता में महिलाओं को सबसे ऊपर रखा है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद केंद्र सरकार ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियानों के माध्यम से लिंगानुपात सुधारने और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए काम किया है।

उन्होंने कहा कि शौचालय निर्माण, उज्ज्वला योजना, लखपति दीदी जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। इसके बावजूद विपक्ष ने इन योजनाओं का भी विरोध किया और महिलाओं के अधिकारों के प्रति उदासीनता दिखाई। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों को परिवारवादी बताते हुए कहा कि ये दल महिलाओं को आगे बढ़ते नहीं देखना चाहते। उन्होंने आरोप लगाया कि नारी शक्ति वंदन बिल को भी सोची-समझी रणनीति के तहत रोका गया और बाद में उसी पर राजनीति की गई। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने हमेशा देशहित के मुद्दों का विरोध किया है, चाहे वह नागरिकता संशोधन कानून हो या अन्य राष्ट्रीय पहलें। उन्होंने कहा कि महिलाएं इस विश्वासघात को कभी नहीं भूलेंगी और चुनाव में इसका जवाब देंगी।

बच्चों को चिड़चिड़ा और आक्रामक बना रहा है ज्यादा स्क्रीन टाइम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बच्चों में बढ़ते 'स्क्रीन टाइम' को लेकर किये गए एक हालिया अध्ययन से पता चला कि लगभग 72 प्रतिशत बच्चे रोजाना औसतन तीन से छह घंटे तक मोबाइल देखते हैं, जिससे उनमें चिड़चिड़ापन और आक्रामकता बढ़ रही है। यहां सवाईमान सिंह चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के मनोचिकित्सा केंद्र के विशेषज्ञों के अध्ययन में यह बात सामने आई। बच्चों में बढ़ते स्क्रीन टाइम के असर को समझने के लिए मनोचिकित्सा केंद्र की वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक डॉ. जयश्री जैन ने करीब एक साल तक केंद्र में आने वाले 10 से 16 साल के 150 बच्चों पर अध्ययन किया। अध्ययन के दौरान बच्चों व उनके अभिभावकों से बातचीत की गयी और उनके व्यवहार का अवलोकन किया गया।

अध्ययन के निष्कर्षों के मुताबिक, ज्यादा स्क्रीन टाइम का असर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर दिखाई देने लगा है। इसमें कहा गया कि बच्चों में एकाग्रता की कमी, चिड़चिड़ापन, ध्यान की कमी, अकेलापन, नींद की समस्या देखने को मिल रही है और उनका व्यवहार भी बदलने लगा है। डॉ. जैन ने बताया कि अध्ययन में शामिल 72 प्रतिशत बच्चे रोजाना तीन से छह घंटे मोबाइल का उपयोग करते थे। 60 प्रतिशत बच्चे ऐसे थे जिनका पढ़ाई के दौरान ध्यान भटकता था। 48 फीसदी बच्चों के व्यवहार में चिड़चिड़ापन और आक्रामकता दिखी। इसके अलावा 41 फीसदी बच्चे ऐसे थे, जिन्हें देर रात मोबाइल देखने से नींद आने में समस्या हो रही थी। अध्ययन के मुताबिक, लगभग 35 प्रतिशत बच्चों में परिवार के साथ संवाद की कमी देखी गयी। मनोवैज्ञानिक ने बताया कि मोबाइल की लत के दौरान बच्चे मोबाइल का उपयोग आवश्यकता से अधिक करने लग गए और उसके बिना उनमें बेचैनी की समस्या नजर आई। अध्ययन के अनुसार, ज्यादा समय मोबाइल पर बिताने वाले बच्चों में इसके उपयोग के बारे में माता-पिता से झूठ बोलना, बार-बार सोशल मीडिया पोस्ट व फीड पर नजर डालना, गुस्सा और चिड़चिड़ापन, परिवार और दोस्तों से दूरी, सोने से पहले मोबाइल का उपयोग और देर रात तक जगना जैसी व्यावहारिक समस्याएं हुईं।

उन्होंने कहा, यह स्थिति मानसिक और व्यावहारिक निर्भरता का रूप ले सकती है जो किसी भी अन्य लत जितनी गंभीर होती है। डॉ. जैन ने कहा, सोशल मीडिया, शॉर्ट वीडियो मस्तिष्क में डोपामिन छोड़ते हैं जो आनंद का रसायन है। इससे बार-बार मोबाइल देखने की इच्छा जागृत होती है। साथ ही जब बच्चे के पास कोई लक्ष्य, खेल या रचनात्मक गतिविधि नहीं होती तो वह मोबाइल के प्रति आकर्षित होता है।

उन्होंने बताया कि बच्चों का स्क्रीन टाइम बढ़ने के साथ ही उनमें शारीरिक गतिविधि कम देखने को मिली। अध्ययन में पता चला कि ऐसे बच्चों का कक्षा एवं पढ़ाई में ध्यान नहीं लगता और उन्हें कुछ भी याद नहीं रहता। उन्होंने बताया कि मोबाइल पर अधिक समय बिताने वाले बच्चों में चिड़चिड़ापन, ध्यान की कमी, नींद की समस्या और सामाजिक अलगाव जैसी परेशानियां बढ़ रही हैं। कई बच्चों में अवसाद और चिंता के लक्षण भी पाए गए। डॉ. जैन ने कहा, बच्चों को मोबाइल और स्क्रीन से दूर रखने के लिए परिवार की भूमिका सबसे अहम है। माता-पिता को बच्चों के लिये स्क्रीन टाइम तय करना चाहिए। घर में फोन बास्केट बनाएं। परिवार के सभी सदस्य भोजन के समय फोन को वहां रखें। बच्चों को खेलकूद, किताबें पढ़ने और रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करना चाहिए।

पुष्कर घाटी में अनियंत्रित होकर बस घाटी में गिरी, दो महिलाओं की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। अजमेर में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया, जहां यात्रियों से भरी एक बस पुष्कर घाटी में अनियंत्रित होकर करीब 150 फीट गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में एक बच्चे की व एक सवारी की मौत हो गई, जबकि कई यात्री घायल हो गए हैं। घायलों में से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, बस में कुल 31 यात्री सवार थे, जो पुष्कर से पीसांगन में मायरा भरने के लिए पुष्कर की ओर जा रहे थे। हादसा पुष्कर से करीब तीन किलोमीटर पहले, सांझी की छत के आगे घाटी क्षेत्र में हुआ, जहां अचानक बस चालक का नियंत्रण वाहन पर से हट गया और बस खाई में जा गिरी। अजमेर कलेक्टर लोकबंधु ने हादसे को लेकर जानकारी देते हुए कहा कि दो लोगों की मौत हुई है। आठ एंबुलेंस की मदद से घायलों को उपचार के लिए लाया गया है। जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों ने मौके पर घायलों की सहायता की। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया है। हर संभव मदद की जा रही है।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को बाहर निकालकर पुष्कर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए अजमेर के जेएलएन अस्पताल रेफर कर दिया गया। इस दुर्घटना के चलते पुष्कर घाटी मार्ग पर लंबा जाम लग गया, जिससे यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित रही। पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचकर हालात को संभालने में जुटी रही। प्रशासन के अनुसार, हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी में बस के अनियंत्रित होने की बात सामने आई है, हालांकि तकनीकी खराबी या चालक की लापरवाही जैसे पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने के लिए सख्त कदम उठाए गए

कोटा। बूंदी जिला प्रशासन ने कहा है कि उसने रविवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। अक्षय तृतीया को स्थानीय रूप से आखा तीज के नाम से जाना जाता है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में इस दिन को विवाह के लिए एक शुभ अवसर माना जाता है। इस त्योहार के दौरान या इसके आसपास कई बाल विवाह होते हैं। बूंदी जिले में गुर्जर, मीणा, मेघवाल, माली, रेगर, बैरवा और भील समुदायों के बीच बाल विवाह की खबरें अक्सर आती हैं। अधिकारियों ने कहा कि प्रशासन ने विशेष रूप से उन संवेदनशील ग्रामीण क्षेत्रों में एक बहुस्तरीय निगरानी तंत्र को सक्रिय कर दिया है, जहां दशकों से बाल विवाह प्रचलित हैं। जिला मुख्यालय में एक समर्पित बाल विवाह नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जिसमें 24 घंटे हेल्पलाइन नंबर की सुविधा उपलब्ध है।

इसके अलावा आशा कार्यकर्ताओं और साथिन स्वयंसेवकों सहित जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को संदिग्ध मामलों की जानकारी देने के लिए जागरूक किया गया है। बूंदी जिले के अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय सूत्रों से मिली सूचनाओं के आधार पर उन्होंने इस वर्ष अब तक 21 बाल विवाह रोके हैं।

परशुरामजी शस्त्र और शास्त्र के मर्मज्ञ : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने रविवार को बिड़ला सभागार में अक्षय तृतीया और भगवान परशुराम जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय पूजा आरती में भाग लिया। उन्होंने भगवान परशुराम की छवि पर पुष्प अर्पित कर उनकी विधिवत आरती की और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और संपन्नता की कामना की। राज्यपाल ने जयंती समारोह में भगवान परशुराम के जीवन प्रसंगों की चर्चा करते हुए कहा कि वह शस्त्र और शास्त्र के ही मर्मज्ञ नहीं थे, अन्याय और अनाचार का प्रतिरोध करते जीवन में आदर्श की स्थापना के प्रेरक हैं। उन्हानें भगवान परशुरामजी के अवतरण दिवस की बधाई देते हुए कहा कि अक्षय तृतीया बौद्धिक क्षमताओं के विकास से जुड़ा पर्व है। वेद व्यासजी ने इसी दिन विघ्न विनाशक गणेश को महाभारत लिखने के लिए राजी किया था। राज्यपाल ने कहा कि परशुराम जी बुद्धि और ज्ञान का समन्वय रखने वाले ऋषि है। उनकी जयंती भगवान परशुराम जी को स्मरण करने का अवसर नहीं है, यह उनके आदर्शोंत्याग, तप, शौर्य, और धर्म रक्षा की प्रतिज्ञा को अपने जीवन में उतारने तथा अन्याय के विरुद्ध निर्भीकता से खड़े होने का संकल्प लेने का पर्व है।

उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम जी ने जब पृथ्वी पर अधर्म को, अन्याय को और दुष्ट शक्तियों को बढ़ते देखा तो विनाश के लिए अवतार धारण किया था। उनके हाथ में धारण किया गया फरसा उनकी वीरता, पराक्रम और धर्म की रक्षा के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने भीष्म, द्रोण और कर्ण को शस्त्र विद्या का ज्ञान दिया। उनका मूल नाम 'राम' था। पर, उन्होंने अपने आराध्य भगवान शिव द्वारा प्रदत्त 'परशु' (कुल्हाड़ी) धारण की इसलिए उन्हें परशुराम कहा जाने लगा। इससे पहले राज्यपाल ने परशुराम जी पर निर्मित फिल्म भी देखी। उन्होंने वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार के किए उनके कार्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

शादी में शामिल होने पर समाज से बहिष्कार और लाखों का जुर्माना; पंचों का तुगलकी फरमान से मचा हड़कंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालोर। जालोर जिले के भीनमाल शहर में अवैध पंचायत का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। भादरड़ा रोड निवासी वरदाराम माली ने पुलिस थाना भीनमाल में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि समाज के कुछ स्वयंभू पंचों ने उनके परिवार के खिलाफ तुगलकी फरमान जारी कर दिया है। जानकारी के अनुसार, वरदाराम माली के पुत्र और दो पुत्रियों की शादी होने वाली है। इसी को लेकर समाज के कुछ लोगों समरथाराम, दीपाराम, बाबुलाल, जगदीश, सोमताराम, सरदाराराम और मांगीलाल ने कथित रूप से अवैध पंचायत बुलाकर निर्णय लिया कि जो भी व्यक्ति इस परिवार की शादी में शामिल होगा, उसे समाज से बाहर कर दिया जाएगा और उस पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा।

बताया जा रहा है कि पूरा विवाद परिवार के भतीजे विक्रम कुमार के लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर शुरू हुआ। इसी मामले को आधार बनाते हुए पंचायत ने विक्रम कुमार पर 31 लाख रुपये का जुर्माना लगाया, जबकि उसके बहनोई पर भी 4 लाख रुपये का दंड लगाया गया। साथ ही विक्रम कुमार और पांचाराम को समाज से बहिष्कृत कर उनका हुक्का-पानी बंद कर दिया गया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि इस मामले में पहले से ही पुलिस थाना भीनमाल में मुकदमा दर्ज है, लेकिन गवाही देने से नाराज स्वयंभू पंच अब पूरे परिवार पर मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहे हैं और लगातार धमकियां दे रहे हैं।

स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि दूल्हा-दुल्हन सहित परिवार के कई सदस्य रात में थाने पहुंचे और पुलिस को अपनी आपबीती सुनाई। दूल्हा और दुल्हन ने बताया कि पंचायत के इस फरमान के बाद समाज के लोग शादी में आने से डर रहे हैं, जिससे परिवार मानसिक रूप से परेशान है। पीड़ित वरदाराम माली ने पुलिस प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच के बाद आगे की कार्रवाई की बात कही है।

जैसलमेर के छात्र ने एआई की मदद से आरएएस परीक्षा उत्तीर्ण की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। पोखरण निवासी वीरेंद्र चारण ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) परीक्षा में दूसरा स्थान प्राप्त किया है, और यह उपलब्धि पूरे राजस्थान में चर्चा का विषय बनी हुई है। उन्होंने किसी भी कोचिंग संस्थान में कदम नहीं रखा। एक हेड कांस्टेबल के बेटे और वर्तमान में तहसीलदार के पद पर कार्यरत वीरेंद्र की यह यात्रा केवल रैंक हासिल करने तक सीमित नहीं है; यह भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के तरीके को बदलने का प्रतीक है। जहां अधिकांश उम्मीदवार कोचिंग केंद्रों पर निर्भर रहते हैं, वहीं वीरेंद्र ने एक अलग रास्ता चुना: अनुशासन और प्रौद्योगिकी के स्मार्ट उपयोग के बल पर स्व-अध्ययन।

उन्होंने कहा, मैंने चैटजीपीटी जैसे टूल्स का इस्तेमाल करके कॉन्सेप्ट्स को गहराई से समझा। जब भी मुझे कोई शंका होती, मैं सवाल पूछता और जवाबों को विस्तार से खोजता। इससे मुझे सतही तैयारी से आगे बढ़ने में मदद मिली। उनका यह तरीका उम्मीदवारों के बीच बढ़ते बदलाव को दर्शाता है, जहां सूचना तक पहुंच अब भूगोल या आर्थिक स्थिति से बाधित नहीं होती। जैसलमेर के सुदूर इलाकों से लेकर राज्य की शीर्ष मेरिट सूची तक, वीरेंद्र की कहानी इस बदलाव का प्रमाण है।

दिलचस्प बात यह है कि वीरेंद्र ने इंटरव्यू राउंड में टॉपर से भी बेहतर प्रदर्शन किया; उन्होंने बाड़मेर के दिनेश बिश्नोई से नौ अंक अधिक प्राप्त किए, जिन्होंने रैंक 1 हासिल की। ड्ढड्ढदोनों के बीच का अंतर बहुत कम था, कुल मिलाकर सिर्फ आधा अंक। वीरेंद्र ने बताया कि जब उनसे पूछा गया कि वे उप-विभागीय मजिस्ट्रेट के रूप में बूंदी में पर्यटन को कैसे बढ़ावा देंगे, तो उन्होंने रात्रि पर्यटन, वन्यजीव पर्यटन और ऐतिहासिक बावड़ियों के पुनरुद्धार का सुझाव दिया। उनका विचार विरासत को सतत विकास के साथ जोड़ना था। इस वर्ष के परिणाम राजस्थान के सीमावर्ती जिलों के मजबूत प्रदर्शन को दर्शाते हैं।

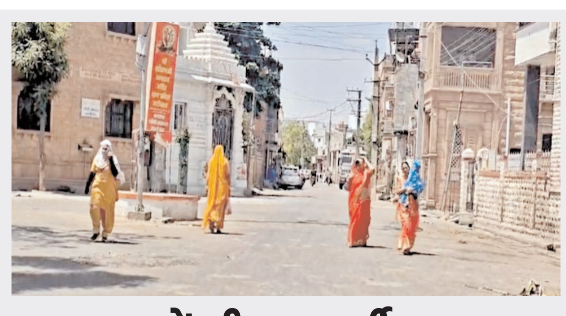

मरुधरा में भीषण गर्मी, तापमान 45 डिग्री तक जा सकता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। गर्मी की वजह से मरुधरा के निवासियों का जन-जीवन प्रभावित हो रहा है। रोजमर्रा के काम-धाम पर इसका असर साफ तौर पर देखा जा सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में 19 अप्रैल से गर्मी का असर और तेज हो जाएगा। पूर्वी राजस्थान में 19 से 22 अप्रैल तक लू चलने की आशंका जताई गई है, जबकि पश्चिमी राजस्थान में 21 और 22 अप्रैल को लू का प्रभाव ज्यादा रहने की उम्मीद है। तापमान 42 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। प्रदेश की राजधानी जयपुर, कोटा और उदयपुर में तेज गर्मी महसूस होगी, जबकि बीकानेर और जैसलमेर में लू का असर ज्यादा रहेगा। बारिश की संभावना बहुत कम है और मौसम शुष्क बना रहेगा। राजस्थान में पिछले 24 घंटे में जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर, बीकानेर, फलोदी में हल्के बादल छाए रहे। श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ के अलावा जैसलमेर में सुबह से दोपहर तक कुछ स्थानों पर धूलभरी हवा चली। जबकि कोटा, जयपुर, भरतपुर, अजमेर और उदयपुर संभाग के एरिया में दिनभर आसमान साफ रहा और तेज धूप रही।

वसुंधरा राजे के नाम से फर्जी लेटर ने गरमाई सियासत

जयपुर। राजस्थान की राजनीति में उस समय हलचल तेज हो गई जब पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नाम से एक कथित पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस पत्र में संघ प्रमुख मोहन भागवत को संबोधित करते हुए महिला आरक्षण बिल और परिसीमन जैसे मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी की आधिकारिक लाइन से अलग राय व्यक्त की गई थी। पत्र सामने आते ही राजनीतिक माहौल गर्मा गया। कांग्रेस के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इसे असली मानते हुए बीजेपी पर निशाना साधा और पार्टी के भीतर मतभेदों के आरोप लगाए।

घुसपैठ के जरिए तृणमूल बदल रही बंगाल की संस्कृति, ममता सरकार आदिवासी विरोधी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरुलिया (बंगाल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उस पर घुसपैठ के जरिए राज्य की भाषा और संस्कृति बदलने, आदिवासी क्षेत्रों की अनदेखी करने और ''महाजंगलराज'' चलाने का आरोप लगाया।

प्रधानमंत्री मोदी ने पुरुलिया में एक रैली को संबोधित करते हुए 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले जंगलमहल क्षेत्र में भाजपा की राजनीतिक धार तेज करने की कोशिश की और चुनावी मुकाबले को ''विकास बनाम तुष्टीकरण'' की लड़ाई बताया। उन्होंने कहा, ''घुसपैठ के कारण बंगाल की भाषा और संस्कृति बदल रही है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की राजनीति ने राज्य के सामाजिक चरित्र को बदल दिया है।

मोदी ने तृणमूल कांग्रेस पर ''तुष्टीकरण की राजनीति'' के कारण आदिवासी पहचान और भाषा की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''संथाली भाषा का अपमान हो रहा है, जबकि मदरसा शिक्षा के लिए रिकॉर्ड बजट आवंटित किया जा रहा है। यह और कुछ नहीं, सिर्फ तुष्टीकरण है।''

प्रधानमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस शासन को बार-बार ''महाजंगलराज'' करार देते हुए आरोप लगाया कि पुरुलिया, बांकुड़ा और झाड़ग्राम जैसे आदिवासी बहुल जिलों को सड़क, पेयजल, रोजगार और अन्य बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा गया है।

आदिवासी क्षेत्रों में भाजपा को स्वाभाविक राजनीतिक विकल्प के रूप में पेश करते हुए मोदी ने सत्तारूढ़ दल पर स्थानीय 'सिंडिकेट' के जरिए आदिवासियों की जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, ''तृणमूल 'सिंडिकेट' ने आदिवासियों की जमीन पर कब्जा कर लिया है। सत्तारूढ़ दल को 'कट मनी' (रिश्वत) दिए बिना कोई काम नहीं होता। तृणमूल कांग्रेस के जंगलराज में रिश्वत के बिना कुछ नहीं होता। जब रिश्वतखोरी अनिवार्य हो, तो उद्योग कैसे फलेगा-फूलेगा?''

भ्रष्टाचार को बंगाल में बेरोजगारी से जोड़ते हुए मोदी ने स्कूल नौकरी घोटाले का उल्लेख किया और दावा किया कि तृणमूल के 15 वर्षों के शासन में पश्चिम बंगाल में ''खतरनाक'' स्तर की बेरोजगारी देखी गई है। उन्होंने कहा, ''तृणमूल मंत्रियों ने शिक्षकों की भर्ती में लूट की और हजारों युवाओं के साथ धोखा किया।'' उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल के हजारों स्कूल बिना शिक्षकों के चल रहे हैं, क्योंकि नौकरियां ''लूट'' ली गईं।

मोदी ने जंगलमहल में भाजपा के पारंपरिक समर्थन आधार का भी उल्लेख किया और याद दिलाया कि पुरुलिया, बांकुड़ा और झाड़ग्राम ने कभी भाजपा के लिए भारी संख्या में मतदान किया था क्योंकि वे भय और जबरन वसूली से मुक्ति चाहते थे।

प्रधानमंत्री राजनीतिक प्रचार के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर रहे हैं : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तारकेश्वर(प.बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर राजनीतिक प्रचार के लिए सरकारी तंत्र का 'दुरुपयोग' करने का आरोप लगाया।

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख बनर्जी ने हुगली जिले के तारकेश्वर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के संबंध में राष्ट्र को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए ''अवैध तरीके से प्रचार'' किया।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री पर आदर्श चुनाव आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए कहा, ''उन्होंने (भाजपा ने) कल सरकारी तंत्र का दुरुपयोग राजनीतिक प्रचार के लिए किया। हम इसकी निंदा करते हैं और निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराएंगे।''

वर्ष 2029 से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने संबंधी विधेयक के संसद के निचले सदन में पारित नहीं होने के बाद प्रधानमंत्री ने शनिवार को राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान कांग्रेस और उसके सहयोगियों को चेतावनी दी कि भारत की महिलाएं उन्हें ''भ्रूण हत्या के पाप'' के लिए कड़ी सजा देंगी।

बनर्जी ने कहा, ''आपको (प्रधानमंत्री) भारत की जनता को जवाब देना होगा कि आप अपनी पार्टी के लिए अवैध प्रचार कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक सितंबर 2023 में पारित हुआ था, और सवाल किया कि केंद्र सरकार ने इसे अब तक लागू क्यों नहीं किया है।

तृणमूल प्रमुख ने सवाल किया कि ''एक ही विधेयक को कितनी बार पारित करने की आवश्यकता है।'' उन्होंने दावा किया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने परिसीमन विधेयक को लोकसभा में पेश किए गए महिला आरक्षण कानून से जोड़ दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''पर्याप्त संख्या न होने के बावजूद उन्होंने (केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा ने) लोकसभा में विधेयक लाने की धृष्टता दिखाई।'' उन्होंने दावा किया कि भाजपा का ''पतन'' शुरू हो गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने झाड़ग्राम में झालमुड़ी का स्वाद लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम में रविवार को अपने चुनाव प्रचार के दौरान अचानक रुकते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झालमुड़ी का स्वाद लिया। झालमुड़ी मुरमुरे, हरी मिर्च और अन्य मसालों से बना एक लोकप्रिय बंगाली 'स्ट्रीट फूड' है।

झाड़ग्राम में प्रधानमंत्री के काफिले के अचानक एक सामान्य सी दुकान के सामने रुकने पर वहां मौजूद लोग और दुकानदार हैरान रह गए, जब मोदी स्टॉल पर जाकर झालमुड़ी की कीमत पूछने लगे। मोदी ने दुकानदार से पूछा, ''भाई, झालमुड़ी खिलाओ, कितने का है? अच्छे से बना दो झालमुड़ी।''

अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ मौजूद प्रधानमंत्री ने विक्रेता को पैसे सौंपे और उनसे पैसे स्वीकार करने पर जोर दिया। दुकानदार द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या इसे बनाने में सभी सामान्य सामग्री का इस्तेमाल किया जाएगा, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''सब कुछ डालिए, बस नमक छोड़कर'' जिसे वह स्वास्थ्य कारणों से नहीं लेते। प्रधानमंत्री ने झालमुड़ी का स्वाद लिया और बाद में इसकी एक तस्वीर 'एक्स' पर पोस्ट की। मोदी ने 'एक्स' पर तीन पोस्ट में कहा, ''रविवार को पश्चिम बंगाल में चार जनसभाओं के व्यस्त कार्यक्रम के बीच, मैंने झाड़ग्राम में स्वादिष्ट झालमुड़ी का आनंद लिया।'' उन्होंने इसके साथ एक वीडियो भी साझा किया।

कांग्रेस-सपा समेत विपक्ष का कृत्य द्रौपदी के चीरहरण जैसा : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संसद में नारी शक्ति संशोधन विधेयक पारित न होने को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडी' गठबंधन, समाजवादी पार्टी (सपा) और तृणमूल कांग्रेस समेत उनके सहयोगी दलों ने जो कृत्य किया वह भरी सभा में द्रौपदी के चीरहरण की तरह था।

लखनऊ स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी दलों, केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी समेत वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में आयोजित पत्रकार वार्ता में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' संशोधन विधेयक पारित न हो पाने को लेकर आदित्यनाथ ने विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, '' कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडी' (इंडिया) गठबंधन, समाजवादी पार्टी (सपा) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) समेत उनके सहयोगी दलों ने जो कृत्य किया वह भरी सभा में द्रौपदी के चीरहरण की तरह था। आधी आबादी के मन में विपक्ष के इस नारी विरोधी आचरण को लेकर भारी आक्रोश है और इनके कृत्य के लिए कभी माफ नहीं करेगी।''

आदित्यनाथ ने भरोसा दिलाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पूरी ताकत के साथ देश और प्रदेश की आधी आबादी के साथ खड़ा है।

आदित्यनाथ ने कहा कि 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ लेकिन जब महिला संगठनों, सामाजिक संगठनों ने कहा कि यह अधिनियम 2024 की बजाय 2029 में लागू हो तो उनकी मांग को देखते हुए प्रधानमंत्री जी ने सभी पक्षों से विचार विमर्श करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 में संशोधन करने के लिए प्रयास किया। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों ने मांग उठाई थी कि इस माध्यम से उनके हक को कम ना कर दिया जाए, तो प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया था कि किसी का हक नहीं मारा जाएगा।

चंदौली में बच्चों के विवाद ने लिया हिंसक रूप, गोलीबारी में छह घायल

चंदौली/भाषा। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में रविवार सुबह बच्चों के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जब एक पक्ष की ओर से लाइसेंसी बंदूक से की गई गोलीबारी में छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने इस मामले में 15 लोगों को हिरासत में लिया है। चंदौली सदर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) देवेन्द्र कुमार ने बताया कि कंदवा थाना क्षेत्र के तेल्हारा गांव की दलित बस्ती के निवासी राममूरत राम और सुभाष के बीच पिछले कुछ दिनों से विवाद चल रहा था। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और पहले लाठी-डंडे चले। इसी दौरान सुभाष पक्ष की ओर से लाइसेंसी बंदूक से गोलीबारी की गई, जिसमें रामदुलार (42), लखैबर (67), पंकज (22), श्यामलाल (50), मनोज (27) और मदन (17) घायल हो गए।

सहारनपुर में बच्चे का इलाज कराने गई

महिला से सामूहिक दुष्कर्म, मौलवी समेत दो आरोपी गिरफ्तार

सहारनपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने नागल के सीडकी गांव की मस्जिद में मौलवी और एक युवक पर नशीला पदार्थ पिलाकर सामूहिक दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि पीड़िता की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) मयंक पाठक ने रविवार को बताया कि फतेहपुर की पुलिस ने दोनों आरोपियों को 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है।

सहारनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अभिनंदन सिंह को दी गई शिकायत में पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसका एक ही बेटा है, जो काफी बीमार है। गांव के ही एक युवक ने 15 अप्रैल को बेटे को मौलवी से झाड़ फूंक कराने की सलाह दी। उसी दिन युवक महिला और उसके बेटे को बाइक पर बैठाकर सीडकी गांव की एक मस्जिद में ले गया।

आरोप है कि वहां मौलवी ने पानी में ताबीज डालकर उसे पीने को दिया, जिसे पीते ही वह बेहोश हो गई जिसके बाद युवक और मौलवी ने उससे दुष्कर्म किया। पीड़िता का आरोप है कि उन्होंने घटना के वीडियो भी बनाए तथा फोटो भी खींचे। पीड़िता के होश में आने पर दोनों ने धमकी दी कि अगर उसने किसी को भी घटना के बारे में बताया तो वे वीडियो वायरल कर मां-बेटे को जान से मार देंगे। इसके बाद युवक उसे गांव के बाहर छोड़कर चला गया। घर पहुंचकर पीड़िता ने पति को पूरी घटना बताई।

हमने 175 रन के स्कोर को 190 रन जैसा बना दिया था लेकिन यह भी कम पड़ा : कार्तिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के बल्लेबाजी कोच दिनेश कार्तिक ने अपनी टीम की गेंदबाजी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने 175 रनों के मामूली लक्ष्य को प्रतिस्पर्धी बना दिया था, लेकिन डेविड मिलर की आखिरी ओवर की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी ने दिल्ली कैपिटल्स को इस आईपीएल मैच में जीत दिला दी।

कैपिटल्स ने शनिवार को खेले गए इस मैच को एक गेंद शेष रहते छह विकेट से जीत लिया था।

कार्तिक के हवाले से एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, ''हमें कभी ऐसा नहीं लगा कि हम कुछ रन कम रह गए हैं। हमने कुछ शानदार कैच पकड़े, बेहतरीन क्षेत्ररक्षण से रन बचाए। हमने 175 रनों को 190 रनों जैसा महसूस कराया, जो कि आप कर सकते हैं।''

फिल साल्ट (38 गेंदों में 63 रन) की आक्रामक पारी से आरसीबी ने चुनौतीपूर्ण पिच पर सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। यह इस सत्र में उनका दूसरा और फ्रेंचाइजी के लिए कुल मिलाकर छठा अर्धशतक था।

भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक ने कहा, ''बल्लेबाजी के लिए पिच कठिन थी और हमने पारी के लगभग 75 प्रतिशत हिस्से में अच्छी बल्लेबाजी की। आखिरी पांच ओवरों में शायद हमें उतने रन नहीं मिले, जितने हम चाहते थे, लेकिन हमने बहुत अच्छी गेंदबाजी की और क्षेत्ररक्षण भी कमाल का रहा।'' कार्तिक ने कहा, ''हमने अपनी तरफ से हर संभव कोशिश की और टीम के प्रति खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता दिखाई। लेकिन अंत में, हमें दो बेहतरीन बल्लेबाज मिले जिन्होंने जमकर बल्लेबाजी की। और टी20 मैच में ऐसा होता ही है।''

भुवनेश्वर कुमार ने 26 रन पर तीन विकेट चटकाते हुए एक बार फिर शानदार गेंदबाजी की। मौजूदा सत्र में उन्होंने तीसरी बार तीन विकेट लेने का कारनामा किया।

लोकसभा की मौजूदा सीटों के आधार पर महिला आरक्षण लागू किया जाए: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को लोकसभा सीटों की मौजूदा संख्या के आधार पर महिलाओं के लिए आरक्षण तुरंत लागू करने की मांग की और इस मुद्दे पर मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

पार्टी ने आरोप लगाया कि सरकार राजनीतिक कारणों से महिला आरक्षण को जानबूझकर टाल रही है।

विधानमंडलों में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 816 करने के लिए संविधान (131वां संशोधन) विधेयक लोकसभा में खारिज होने के दो दिन बाद दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने यह विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस के प्रभारी महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा, जब यह विधेयक पारित हुआ था, तब हमने (कांग्रेस ने) मांग की थी कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को 2024 के लोकसभा चुनाव से लागू किया

जाए। इस मांग को नजरअंदाज कर दिया गया और हमें कहा गया कि इसे लागू करने की तारीख बाद में तय की जाएगी। करीब 30 महीने तक चुप्पी रही। अचानक 16 अप्रैल की रात इस कानून को अधिसूचित कर दिया गया। रमेश ने आरोप लगाया कि जब यह स्पष्ट हो गया कि परिसीमन से जुड़े प्रावधानों वाला विधेयक विपक्ष की एकता के कारण पारित नहीं होगा, तो सरकार ने जल्दबाजी में महिला आरक्षण कानून को अधिसूचित किया और अब दावा कर रही है कि कांग्रेस महिला आरक्षण के खिलाफ है।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में पार्टी कार्यकर्ताओं ने नारे लगाते हुए भाजपा मुख्यालय की ओर मार्च किया। इस दौरान अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा, दिल्ली महिला कांग्रेस की अध्यक्ष पुष्पा सिंह और एआईसीसी की प्रवक्ता रागिनी नायक समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

सभा को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों पर तुरंत महिला आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर यह प्रदर्शन किया गया है। उन्होंने कहा, आज का हमारा विरोध प्रदर्शन महिला आरक्षण की मांग के लिए है जो कई वर्षों से लंबित है। यह विधेयक 2023 में संसद में पेश हुआ और सर्वसम्मति से पारित हुआ।

असम में लापता निर्वाचन अधिकारी का निर्वस्त्र, क्षत-विक्षत शव मिला

दीफू (असम)/भाषा। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में दूरदराज के पहाड़ी इलाके में एक लापता निर्वाचन अधिकारी का निर्वस्त्र और क्षत विक्षत शव मिला है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि रोंगवोंगवेई इलाके में स्थानीय लोगों ने शनिवार को कॉर्नेलियस किंडू का शव देखा और प्राधिकारियों को इसकी सूचना दी। अधिकारियों ने बताया कि मौत के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों के अनुसार, 19 सरपो कथार एलपी स्कूल मतदान केंद्र पर तैनात तृतीय अधिकारी किंडू नौ अप्रैल से लापता थे। वह विधानसभा चुनाव के लिए मतदान जारी रहने के दौरान अस्वस्थ महसूस होने की बात कहकर वहां से चले गए थे। किंडू जब दीफू स्थित अपने घर नहीं पहुंचे तब प्राधिकारियों ने तलाश अभियान शुरू किया था लेकिन उनका कुछ पता नहीं चला था।

अंतरिक्ष यात्री ने आईएसएस पर बिहू नृत्य किया, हिमंत विश्व शर्मा ने सराहना की

गुवाहाटी/भाषा। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर एक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री ने बिहू नृत्य किया, जिसकी असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सराहना की है।

राज्य में असमिया नववर्ष के अवसर पर रोंगाली बिहू का उत्सव मनाया जाता है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हो रहा है जिसमें माइक फिंके को गले में पारंपरिक 'गमोसा' (गमछा) पहने और बिहू नृत्य करते हुए देखा जा सकता है और पृष्ठभूमि में बिहू गीत बज रहा है। फिंके की शादी असम निवासी महिला रेनिता सैकिया से हुई है।

'बिहू बिनंदिया' टैग के साथ शर्मा ने 'एक्स' पर वीडियो साझा करते हुए लिखा, ''अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में बिहू नृत्य। असम की संस्कृति के प्रति इस विशेष सम्मान के लिए अंतरिक्ष यात्री माइक फिंके की सराहना करता हूं। बिहू पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष ध्यान के बाद लोगों को इसे वैश्विक स्तर पर मनाते देखना अद्भुत है।''

रुतुराज किसी तरह की उलझन में नजर आ रहे हैं : अश्विन

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल मैच में फॉर्म में वापसी करने का एक शानदार मौका गंवा दिया।

सनराइजर्स ने शनिवार को खेले गए मैच में सीएसके को 10 रन से हराया। सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 194 रन बनाए जिसके जवाब में सीएसके आठ विकेट पर 184 रन ही बना पाया। अश्विन ने कहा कि

गायकवाड दबाव में नजर आ रहे हैं। उन्होंने जिओस्टार से कहा, ''उनके लिए रन बनाने का यह सबसे अच्छा मौका था। आयुष म्हात्रे की अच्छी शुरुआत को देखते हुए उन्हें जोखिम लेने या तेज गति से रन बनाने की जरूरत नहीं थी। पावरप्ले में उनकी टीम पूरी तरह हावी थे। रुतुराज के पास क्रीज पर कुछ समय बिताने , कुछ रन बनाने और फॉर्म में वापसी करने का सुनहरा अवसर था।'' अश्विन ने कहा, ''आयुष म्हात्रे का विकेट गिरने के बाद, रुतुराज को एक बहुत अच्छी गेंद मिली, वह पुल शॉट अच्छी तरह से खेलता है लेकिन मुझे लगता है कि वह बहुत दबाव में है और उसका दिमाग थोड़ा उलझन में है।'' रुतुराज ने आईपीएल के वर्तमान सत्र में अपने पहले छह मैचों में केवल 82 रन बनाए हैं। उनका औसत मात्र 13.67 और स्ट्राइक रेट 112.33 है।

पीएमएलए जांच के सिलसिले में

ईडी ने कोलकाता पुलिस उपायुक्त, व्यवसायी के परिसरों पर छापा मारा

कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक धन शोधन मामले की जांच के तहत रविवार को कोलकाता पुलिस के उपायुक्त शांतनु सिन्हा बिस्वास और एक स्थानीय व्यवसायी के कोलकाता स्थित परिसरों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी की यह कार्रवाई पश्चिम बंगाल में एक कथित अपराधी और उससे संबंधित गिरोह के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच के तहत की गई।

अधिकारियों ने बताया कि बालीगंज क्षेत्र स्थित बिस्वास के आवास सहित उनसे संबंधित दो परिसरों और सन एंटरप्राइज नामक कंपनी के प्रबंध निदेशक जॉय कामदार के एक परिसर पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापा मारा गया।

कामदार को अधिकारियों द्वारा पूछताछ के लिए स्थानीय ईडी कार्यालय ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल और कोलकाता पुलिस कल्याण समिति के मुख्य समन्वयक और नोडल अधिकारी बिस्वास अपने परिसर में मौजूद नहीं थे।

सुविचार

सत्य का मार्ग कठिन हो सकता है, लेकिन अंततः जीत उसी की होती है। झूठ के पांव नहीं होते, वह जल्द गिर जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ऑनलाइन दुनिया के गिद्ध

टीसीएस और अमरावती कांड के बाद सोशल मीडिया पर ऐसे मामलों की बाढ़-सी आ गई है, जिनके बारे में पढ़-सुनकर दु:ख और आश्चर्य, दोनों होते हैं। कहीं धर्मांतरण का धंधा चल रहा है, तो कहीं अपनी पहचान छुपाकर महिलाओं को धोखा दिया जा रहा है। इंटरनेट ने ऐसे फरेबी और पाखंडी तत्त्वों को भी सुनहरा मौका उपलब्ध करा दिया है। वे एआई की मदद से फर्जी तस्वीर बनाते हैं और सोशल मीडिया पर झूठा प्रोफाइल तैयार कर युवतियों को दोस्ती और शादी का झांसा देते हैं। ऐसे लोग ऑनलाइन शिकार की तलाश में रहते हैं। उन्हें कभी निराश नहीं होना पड़ता है। दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है, जिसने सोशल मीडिया पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर 500 महिलाओं को अपने जाल में फंसाया था। यही नहीं, उनसे 2 करोड़ रुपए भी ठगे थे! यह शख्स डेटिंग और शादी संबंधी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहने वाली महिलाओं पर नजर रखता था। कभी खुद को डॉक्टर बताता, कभी फिल्म निर्माता, वकील, तो कभी कारोबारी के तौर पर खुद का परिचय देता था। वह खुद को ऐसे पेश करता, जैसे कोई बहुत बड़ा अमीर आदमी हो। वह एक ही समय में कई महिलाओं से ऑनलाइन बातें करता था। वह धीरे-धीरे रिश्ते को मधुर बनाता और एक दिन मोटी रकम उधार मांगता था। इस तरह उसने खूब ठगी की। आश्चर्यजनक रूप से, किसी महिला ने रुपए देते समय उसके माता-पिता, खानदान आदि के बारे में जांच-पड़ताल नहीं की। जो रिश्ते सिर्फ धन और शारीरिक आकर्षण से शुरू होते हैं, उनका यही अंजाम होता है। बेटियों को समझाएं कि ऑनलाइन दुनिया में ऐसे कई गिद्ध मंडरा रहे हैं, जिनकी नजर सिर्फ तन और धन पर है।

उन्हें यह भी बताएं कि असल दुनिया में इतने छल-कपट हो रहे हैं तो आभासी दुनिया, जिसमें झूठ बोलना बहुत आसान है, में इनकी कोई सीमा ही नहीं है। ऐसे मामले इसलिए भी ज्यादा बढ़ रहे हैं, क्योंकि जीवनसाथी ढूंढ़ने में अच्छे चरित्र पर ज्यादा जोर नहीं दिया जा रहा है। हाल में मुंबई में एक महिला के पास ऐसे व्यक्ति का प्रस्ताव आया, जिसने अपनी आकर्षक प्रोफाइल फोटो लगाकर दावा किया था कि वह लंदन रहता है और खुद का कारोबार करता है। महिला ने उसकी कोई जांच-पड़ताल नहीं की। भारत में आज भी कई लोग इस बात से बहुत प्रभावित हो जाते हैं कि कोई व्यक्ति विदेश में रह रहा है। उन्हें लगता है कि उससे जान-पहचान या रिश्तेदारी हो गई तो हमारे लिए विदेश जाने के रास्ते खुल जाएंगे। महिला ने उस व्यक्ति के दावों पर विश्वास कर लिया। एक दिन वह उसे 7 लाख रुपए का चूना लगाकर गायब हो गया। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के एक मामले ने तो सबको हिलाकर रख दिया था। सोशल मीडिया पर खुद को आईएएस अधिकारी बताने वाले एक युवक ने दहेज में लाखों रुपए ले लिए। लड़की के परिवार ने यह सोचकर कि कोई कमी न रह जाए, शादी से संबंधित कार्यक्रमों पर खूब खर्चा किया। बाद में पता चला कि दूल्हा कोई आईएएस अधिकारी नहीं, बल्कि बहुत बड़ा ठग है। वह युवती को बेचने के लिए ले जाना चाहता था। उसने पहले भी कई युवतियों को इसी तरह धोखा दिया था। वह किराए पर मकान लेकर शिकार ढूंढ़ता और काम हो जाने के बाद गायब हो जाता था। सोचिए, उस युवती का परिवार समय रहते यह भी पता नहीं लगा पाया कि युवक का घर कहां है, माता-पिता कौन हैं, खानदान कैसा है, उनके बारे में अन्य लोगों की क्या राय है? एआई के दौर में ऐसे ठगों से पाला न पड़ जाए, इसके लिए विश्वसनीय लोगों की ही बात मानें। पूरी जांच-पड़ताल के बाद रिश्ता करें। सिर्फ धन और शारीरिक सुंदरता के मोह में फंस गए तो भविष्य में पछताना पड़ सकता है।

ट्वीटर टॉक

आज मैंने जयपुर में भाजपा स्टेट ऑफिस में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के विषय पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। यह वही ऐतिहासिक बिल है जिसे विपक्ष ने अपनी छोटी और महिला विरोधी सोच के कारण बार-बार पटरी से उतारने और रोकने की कोशिश की है।

-भजनलाल शर्मा

यह हैरानी की बात है और न्यायपालिका द्वारा एग्जीक्यूटिव पर बेवजह बोझ डालने जैसा है कि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ ब्रिटिश नागरिकता के बेबुनियाद आरोपों की सीबीआई जांच का आदेश दिया है।

-अशोक गहलोत

वीरता, तपस्या और धर्म की अटूट शक्ति के प्रतीक भगवान परशुराम जी की जयंती पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई। भगवान परशुराम का आशीर्वाद आप सभी के जीवन में निडरता, न्याय और समृद्धि का प्रकाश फैलाए।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

संकल्प से सफलता

हिंदी साहित्य जगत को 'गोदान' जैसा कालजयी उपन्यास और कई कहानियां देने वाले प्रेमचंद पहले सिर्फ उर्दू में लिखते थे और वह भी 'नवाब राय' नाम से। तब उन्हें हिंदी बिल्कुल नहीं आती थी। उनके उर्दू कहानी-संग्रह 'सोज-ए-वतन' पर जब अंग्रेज सरकार ने पाबंदी लगा दी तो उन्होंने अपना नाम नवाब राय से बदलकर प्रेमचंद रख लिया और भविष्य में केवल हिंदी में कलम चलाने की ठानी। उनके इस निर्णय की जानकारी जब किसी साहित्यिक मित्र को मिली तो वे पूछ बैठे कि हिंदी तो आपको बिल्कुल नहीं आती, फिर आप हिंदी में लिखेंगे कैसे? इस पर प्रेमचंद बोले, 'उर्दू और हिंदी जुबान में कोई बुनियादी फर्क तो है नहीं, बस लिपि का फर्क है। इंसान हिम्मत करे तो कोई काम मुश्किल नहीं है... और मुझे पूरा भरोसा है कि जल्द ही मैं देवनागरी लिपि सीख लूंगा।' प्रेमचंद की कही बात सही निकली और हिंदी साहित्य जगत सदा- सदा के लिए उनका ऋणी हो गया।

सामयिक

महिला आरक्षण की फिर वही परिणति क्यों?

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

थोड़े शब्दों में कहें तो अगर दल वाकई महिला आरक्षण के पक्ष में होते तो विरोध जताते हुए कुछ संशोधन डालकर पारित कर देते। सीटों की संख्या की लिखित गारंटी के प्रश्न पर गृह मंत्री ने कहा कि आप विधेयक पारित करते हैं तो हम नया संशोधन सीटों की संख्या डालकर पेश करने को तैयार हैं। वास्तव में यह कहीं पे निशाना कहीं पे निगाहें वाली बात थी। कांग्रेस और कुछ विपक्षी दलों को दिखाना था कि हम संसद में नरेंद्र मोदी सरकार को पराजित कर सकते हैं। किसी नेता ने महिलाओं को आरक्षण न मिलने पर अफसोस प्रकट नहीं किया।

लगभग 12 वर्षों के शासनकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के लिए यह पहला अवसर है जब कोई विधेयक पारित होने से लोकसभा में वंचित रह गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने घोषणा किया कि विधेयक के पक्ष में 298 तथा विरोध में 230 मत पड़े। हालांकि सदन के बहुमत में विधायक के पक्ष में वोट डाला किंतु संविधान संशोधन विधेयक होने के कारण दो तिहाई बहुमत यानी चाहिए था और इसलिए यह पारित नहीं हो सका। यानी कुल 528 लोकसभा सदस्य उपस्थित थे तो 352 सदस्यों का समर्थन चाहिए था वैसे उपस्थिति से 34 ज्यादा सांसदों ने सरकार के पक्ष में वोट डाला। अगर सामान्य विधेयक होता तो पारित हो गया होता। 1996 से महिलाओं को लोकसभा और राज्य की विधानसभा में आरक्षण देने का मामला लटका हुआ है और विरोधी किसी न किसी बहाने इसमें अड़चन डालते आ रहे हैं। किसी का तर्क कुछ भी हो निष्कर्ष यही है वही प्रक्रिया फिर दोहराई गई है। अब इसमें गुणात्मक अंतर यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने सितंबर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से 337 महिलाओं के आरक्षण का कानून संसद द्वारा पारित करवा लिया है। इसलिए उसको लागू तो होना है। किंतु अब विधेयक के गिर जाने से 2029 लोकसभा चुनाव में यह लागू नहीं हो सकता। इसके लिए हमें 2034 की प्रतीक्षा करनी पड़ेगी।

दरअसल, 2023 के अधिनियम में यह प्रावधान था कि अगली जनगणना और फिर परिसीमन हो जाने के बाद इसे लागू किया जाएगा। तब अनुमान यह था कि जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया 2029 तक पूरी हो चुकी होगी इसलिए इसे लागू करने में समस्या नहीं होगी। चूंकि यह पूरी नहीं हुई तो नरेंद्र मोदी सरकार ने इसे संविधान संशोधन के जरिए तत्काल लागू करने का रास्ता चुना। पूरे प्रकरण का कठोर सच यह है कि इन तीनों विधेयकों में ऐसा कुछ नहीं था जिसको आशंका की दृष्टि से देखा जाए और जिसका इस सीमा तक विरोध हो कि काले झंडे और काले बिल्ले तक पार्टियां व सांसद लगा लें। इनमें संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 लोकसभा की सीटों की अधिकतम संख्या को बढ़ाकर 850 करने का प्रावधान करता था जिनमें राज्यों के लिए 815 और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 35 सीटें थीं। दूसरा,परिसीमन विधेयक, 2026 नई जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण के लिए परिसीमन आयोग के गठन का प्रावधान करता था। और तीसरा,केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में महिला आरक्षण लागू करने के लिए था। विपक्ष का मुख्य विरोध पहले विधेयक से था। वस्तुत: संसद का विशेष सत्र आरंभ होने के पहले ही विपक्ष ने अविश्वसनीय रूप से विरोधी रख अपनाकर अपने संसदीय व्यवहार का संकेत दे दिया था। विपक्ष के सभी नेताओं ने, जिनमें महिला सांसद भी शामिल हैं नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन संबंधी विधेयकों का जैसा विरोध किया उसमें साफ हो गया कि इनका पारित होना संभव नहीं है। भाजपा के मंत्रियों ने विपक्ष के नेताओं से बात करनी शुरू की। स्वयं प्रधानमंत्री ने दो पोस्ट से अपील की। इसके पहले वे अपने भाषण में अपील कर चुके थे कि श्रेय आप लोग ले लीजिए लेकिन महिला आरक्षण में बाधा मत बनिए। उन्होंने यहां तक कहा कि मैं इसके लिए तैयार हूं कि कल आप सबकी तस्वीर समाचार पत्रों में छपवाकर श्रेय दूंगा। लेकिन विपक्ष पहले से मन बनकर बैठा था। उन्होंने अपनी अपील में लिखा कि अपने घर में मां-बहन- बेटी -पत्नी सबको देखिए और उनके अधिकार के लिए विचार कर मतदान करिए।

निष्पक्ष होकर विवेक, तथ्य और तर्क के साथ विचार करनेवालों का निष्कर्ष है कि पूरा विरोध एकपक्षीय अतिवाद से ग्रस्त रहा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तो इसे देश विरोधी और देश को बांटने वाला विधायक तक करार दिया। उन्होंने कहा कि ये देश का भूगोल बदलना चाहते हैं जो हम कभी नहीं होने देंगे। इससे अधिक अतिवादी वक्तव्य और कुछ नहीं हो सकता। उनका भाषण भाजपा के वरिष्ठ सांसदों को भी इतना आपत्तिजनक लगा कि राजनाथ सिंह जैसे नेताओं को लोकसभा अध्यक्ष से अपील करनी पड़ी कि इन्हें रिकॉर्ड से हटाया जाए। राहुल गांधी के भाषण के एक बड़े अंश को असंसदीय करार देकर हटा दिया गया। सदन में विपक्ष के नेता के भाषण के अंशों को असंसदीय श्रेणी में ला दिया जाए इससे दुखद स्थिति कुछ नहीं हो सकती। अगर इरादा विधेयक पर बहस कर इसमें उचित संशोधन करना हो तो आपके भाषण में उससे संबंधित सुझाव होते हैं। सरकार की राजनीतिक आलोचना में समस्या नहीं है। किंतु पूरी बहस सामान्य आलोचना ही नहीं विधेयक के विषय वस्तु से भी काफी दूर चला गया था। प्रश्न उठाया जा रहा था कि आखिर 850 सीटों का आपका आधार क्या है? इसी तरह के दक्षिण के राज्यों को इसमें नजरअंदाज किया जा रहा? बजट सत्र में गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के नेताओं से बातचीत शुरू की तो बताया होगा कि हर राज्य की 50 प्रतिशत लोकसभा एवं विधानसभा की सीटें बढ़ाने का फार्मूला तय हुआ है। सोचा गया कि आज परिसीमन हो तो लोकसभा एवं विधानसभाओं की कितनी सीटें बढ़ सकतीं हैं। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि अगर उत्तर प्रदेश की सीट 80 से 120 हो रही है तो तमिलनाडु की 39 से 59 सीट होगी। इसी तरह अन्य राज्यों के भी विवरण दिए गए। हंगामा इस पर भी था कि 2011 की जनगणना को आधार क्यों बनाया गया? गृह मंत्री का उत्तर था कि 2011 की जनगणना का आधार बनाते तो तमिलनाडु की सीट केवल 49 होती, यही सच है।

यहां दो बातें समझने की है। एक, वर्तमान 543 सीटों में 337 आरक्षण क्यों नहीं दिया गया? 2023 में जब विधेयक पारित हुआ तभी उसमें जनगणना और परिसीमन का प्रावधान था। विपक्ष ने विरोध नहीं किया? 1996 से उसके विरोध के पीछे सबसे बड़ा कारण यही था कि आपसी बातचीत में नेता बोलते थे कि 543 में से 33 प्रतिशत महिलाओं को मिल गया तो अनेक पुरुष नेताओं को घर बैठ जाना पड़ेगा और राजनीति का नाश हो जाएगा। पिछड़ों के आरक्षण आदि का बहाना बनाया गया। तो पुराने अनुभवों का ध्यान रखते हुए मोदी सरकार ने रास्ता निकाला कि 543 सीटें जस की तस रहें और बढ़ी 272 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होश सहमति हुई तभी 2023 में कानून बन सका। आज यह तर्क देने वाले अपनी सरकारों में इसके लिए तैयार नहीं थे। वर्ष 1996 में विरोध करने वाले उस संयुक्त मोर्चा सरकार के साथी थे तो 2008 से 2010 तक विरोध करने वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के साथी। इनमें समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल और कुछ समय तक जनता दल यूनाइटेड अग्रणी रहे। दूसरे दलों के सांसद भी साथ देते रहे। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने 1998 और 1999 में महिला आरक्षण विधेयक चलाया किंतु आम सभमति नहीं बन सकी। 2010 में राज्यसभा में भाजपा के समर्थन से विधेयक पारित हुआ किंतु उनके साथी दलों ने विरोध किया और लोकसभा में पारित करना मुश्किल था। इस पृष्ठभूमि को जानने वाले यह प्रश्न नहीं उठाएंगे। दूसरे, हर 10 वर्ष पर संविधान लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्रों के जनसंख्या के आधार पर परिसीमन का प्रावधान करता है। 1971 तक नियमित होता रहा। 1976 में आपातकाल के समय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सरकार ने 42वां संशोधन कर 2001 तक लोकसभा एवं विधानसभाओं की सीटें न बढ़ाने का प्रावधान कर दिया। इस कारण 1981 और 91 में परिसीमन आयोग का गठन नहीं हुआ। 1976 में लगभग 57.5 करोड़ आबादी थी और आज 140 करोड़ से ऊपर।

क्या उस आधार पर आज लोकसभा या विधानसभाओं की सीटें होनी चाहिए? 2001 में वाजपेयी सरकार ने भी परिसीमन आयोग तो बनाया लेकिन केवल क्षेत्र का समायोजन हुआ संख्या नहीं बढ़ाई। हर सरकार इस विषय को स्पर्श करने से घबराती रही, क्योंकि दक्षिणी राज्यों की आबादी उत्तर के अनुपात में कम होने के कारण उनको सीटें कम मिलती और विरोध होता। मोदी सरकार ने उसी का रास्ता निकाला। थोड़े शब्दों में कहें तो अगर दल वाकई महिला आरक्षण के पक्ष में होते तो विरोध जताते हुए कुछ संशोधन डालकर पारित कर देते। सीटों की संख्या की लिखित गारंटी के प्रश्न पर गृह मंत्री ने कहा कि आप विधेयक पारित करते हैं तो हम नया संशोधन सीटों की संख्या डालकर पेश करने को तैयार हैं। वास्तव में यह कहीं पे निशाना कहीं पे निगाहें वाली बात थी। कांग्रेस और कुछ विपक्षी दलों को दिखाना था कि हम संसद में नरेंद्र मोदी सरकार को पराजित कर सकते हैं। किसी नेता ने महिलाओं को आरक्षण न मिलने पर अफसोस प्रकट नहीं किया। इसे लोकतंत्र की विजय बताते हुए नए दौर की शुरुआत बताया जा रहा है। प्रियंका वाड्रा ने इसे ऐतिहासिक दिन जताया। थोड़े शब्दों में कहें तो महिलाओं के आरक्षण पर विरोधियों का जो रुख हमने 1996 से देखा लगभग वही अलग रूपों में फिर संसद में था और इसी की परिणति विधेयक के गिरने के रूप में सामने आई।

नजरिया

युद्ध के बारूद से बढ़ता पर्यावरण का तापमान

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 90094 15415

पश्चिम एशिया के आकाश में उठते बारूद के बादल हमें यह चेतावनी दे रहे हैं कि यदि हमने समय रहते शांति और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम नहीं उठाए, तो आने वाला समय जल के लिए संघर्ष का समय हो सकता है। पूरा घटनाक्रम हमें केवल चिंता में नहीं डालता, बल्कि यह एक आह्वान भी है शांति का, सहयोग का और प्रकृति के साथ संतुलन स्थापित करने का।

पश्चिम एशिया के आकाश में बारूद के बादल और जलते तेल-कुओं से उठता धुआँ केवल युद्ध का दृश्य नहीं रचता, बल्कि वह पृथ्वी के तापमान, वायुमंडलीय संतुलन और जल चक्र को भी गहराई से प्रभावित करता है। आज जब दुनिया पहले ही ग्लोबल वार्मिंग के संकट से जूझ रही है, तब युद्ध और सैन्य टकराव इस संकट को कई गुना बढ़ा रहे हैं। यह स्थिति केवल पर्यावरणीय चिंता नहीं, बल्कि आने वाले समय में एक गंभीर जल संकट की चेतावनी भी है। पश्चिम एशिया जहाँ मध्य पूर्व के देश जैसे इराक, ईरान, सऊदी अरब और इजराइल स्थित हैं पहले ही जल संसाधनों के मामले में संवेदनशील क्षेत्र रहा है। यहाँ की भौगोलिक बनावट शुष्क है, वर्षा सीमित है और भूजल पर निर्भरता अधिक है। ऐसे में जब युद्ध होते हैं, तो केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि जल स्रोत भी प्रभावित होते हैं। बमबारी से नदियाँ और जलाशय प्रदूषित होते हैं, तेल के रिसाव से समुद्री जल दूषित होता है और धुएँ के कारण वायुमंडल में कार्बन की मात्रा बढ़ जाती है।

यह बढ़ता हुआ कार्बन उत्सर्जन सीधे-सीधे पृथ्वी के तापमान को बढ़ाता है, जिससे जल चक्र असंतुलित हो जाता है। कहीं अत्यधिक वर्षा होती है तो कहीं सूखा पड़ता है। इस असंतुलन का सबसे बड़ा प्रभाव जल संसाधनों पर पड़ता है। (संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों में भी यह चेतावनी दी गई है कि यदि युद्ध और पर्यावरणीय विनाश इसी तरह जारी रहे, तो आने वाले दशकों में जल संकट वैश्विक संघर्ष का प्रमुख कारण बन सकता है) भारत जैसे देश के लिए यह स्थिति और भी चिंताजनक है। भारत में पहले ही भूजल दोहन तेजी से हो रहा है। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार देश के कई बड़े शहरों में भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा रहा है। यदि वैश्विक तापमान इसी तरह बढ़ता रहा, तो भारत में मानसून का पैटर्न और अधिक अनिश्चित हो जाएगा।

भारत का लगभग 60 प्रतिशत कृषि कार्य वर्षा पर निर्भर है। यदि वर्षा समय पर नहीं होती या अत्यधिक होती है, तो फसलें नष्ट होती हैं और जल संकट गहराता है। इसके साथ ही, हिमालय के ग्लेशियर जो गंगा, यमुना और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों के स्रोत तेजी से पिघल रहे हैं। यह स्थिति हिमनद पिघलने का संकेत है, जो प्रारंभ में बाढ़ और बाद में स्थायी जल संकट का कारण बन सकता है। युद्ध का एक और अप्रत्यक्ष प्रभाव यह है कि इससे वैश्विक सहयोग कमजोर होता है। जब देश आपसी संघर्ष में उलझे रहते हैं, तब वे जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों पर मिलकर काम नहीं कर पाते। उदाहरण के लिए, पेरिस समझौते जैसे प्रयास तभी सफल हो सकते हैं जब विश्व के देश आपसी सहयोग और आपस में बातचीत बनाए रखें। लेकिन युद्ध की स्थिति में यह सहयोग आपसी सामंजस्य के अभाव के कारण पीछे छूट जाता है।

भारत के संदर्भ में जल संकट केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं,बल्कि बड़ी सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी है। ग्रामीण क्षेत्रों में जल की कमी से पलायन बढ़ सकता है, जिससे शहरी क्षेत्रों पर दबाव बढ़ेगा। इसके अलावा, जल संसाधनों को लेकर राज्यों के बीच विवाद भी बढ़ सकते हैं।

इस संकट से निपटने के लिए भारत को बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी। सबसे पहले, जल संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी जैसे वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन और जल के पुनर्चक्रण की व्यवस्था। इसके साथ ही, किसानों को जल-संरक्षण आधारित खेती की ओर प्रोत्साहित करना होगा। साथ ही, भारत को वैश्विक स्तर पर भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज़ महत्वपूर्ण है। यदि भारत जैसे देश शांति और सहयोग की पहल करें, तो यह वैश्विक स्तर पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। यह भी समझना अत्यंत आवश्यक होगा कि युद्ध केवल सीमाओं को नहीं जलाता, बल्कि वह भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल जैसे मूलभूत संसाधन को भी खतरे में डाल सकता है। पश्चिम एशिया के आकाश में उठते बारूद के बादल हमें यह चेतावनी दे रहे हैं कि यदि हमने समय रहते शांति और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम नहीं उठाए, तो आने वाला समय जल के लिए संघर्ष का समय हो सकता है। पूरा घटनाक्रम हमें केवल चिंता में नहीं डालता, बल्कि यह एक आह्वान भी है शांति का, सहयोग का और प्रकृति के साथ संतुलन स्थापित करने का। क्योंकि जल ही जीवन है, और यदि जल संकट गहराया, तो मानव सभ्यता की नींव ही डगमगा सकती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

डांस

अक्षय तृतीया के मौके पर हर्ष नाम के संगठन द्वारा आयोजित एक अंतर-जातीय सामूहिक विवाह के दौरान दूल्हा-दुल्हन डांस करते हुए।

रचनात्मकता के साथ किशोर एआई सहायकों का करते हैं इस्तेमाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी। चैटबॉट स्टार्टअप कैरेक्टर डॉट एआई के संस्थापकों ने 2022 में एक ऐसा प्लेटफॉर्म शुरू किया, जहां कोई भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा संचालित संवादात्मक पात्र बना सकता है। यह ऐप तेजी से लोकप्रिय हुआ और देखते ही देखते इसके दो करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता हो गए, जिन्होंने एक करोड़ से अधिक चैटबॉट पात्र बनाए। इन पात्र को बनाने वाले कई उपयोगकर्ता युवा थे, लेकिन फिर स्थिति बदल गई। नवंबर 2025 में, इसके उपयोग से जुड़े युवाओं के आत्महत्या के बढ़ते मामलों और कानूनी दबाव के चलते, कैरेक्टर डॉट एआई ने 18 वर्ष से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं पर प्रतिबंध लगा दिया। यह निर्णय सुरक्षा में सुधार के कई प्रयासों के बाद लिया गया, जिसमें माता-पिता के नियंत्रण और सख्त सामग्री फ़िल्टर शामिल थे।

यह प्रतिबंध किशोरों को संभावित नुकसान से बचाने का एक प्रयास है। लेकिन वे जो अधिक रचनात्मक, मनोरंजक और भावनात्मक रूप से एआई का इस्तेमाल कर रहे थे, उन्हें भी चुप करा दिया गया है। एसोसिएशन फॉर कंप्यूटिंग मशीनरी सीएचआई कॉन्फ्रेंस 2026 की कार्यवाही में प्रकाशित हमारे नए शोध में युवाओं द्वारा एआई के साथ किए जा रहे नए प्रयोगों को संकलित और संरक्षित किया गया है, ताकि हम बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ सकें। वर्ष 2026 में, अमेरिका के दस में से तीन किशोर प्रतिदिन एआई का उपयोग कर रहे। एआई का उपयोग सहायक के रूप में करने का विचार मीडिया की सुर्खियों और ऐप स्टोर पर छाया हुआ है, जहां सैकड़ों ऐप उपलब्ध हैं। एआई सहायकों को लेकर मीडिया में दो मुख्य चिंताएं सामने आती हैं। पहली यह कि युवा अपनी असली दोस्तियों की जगह एआई को अपना सकते हैं। दूसरी यह कि ज्ञान देने वाले चैटबॉट के साथ ज्यादा बातचीत करने से किशोरों के सामाजिक कौशल कमजोर हो सकते हैं। ये चिंताएं महत्वपूर्ण हैं। लेकिन युवाओं द्वारा एआई के उपयोग के कारणों में साथ की तलाश का हिस्सा आश्चर्यजनक रूप से कम है। प्यू रिसर्च सेंटर के एक हालिया सर्वेक्षण में पाया गया कि किशोरों द्वारा एआई के शीर्ष उपयोग सूचना प्राप्त करना (57 प्रतिशत), होमवर्क करना (54 प्रतिशत) और मनोरंजन के लिए (47 प्रतिशत) हैं। केवल एक छोटा प्रतिशत (12 प्रतिशत) भावनात्मक समर्थन या सलाह के लिए एआई का उपयोग करता है। रोमांस और अकेलेपन से राहत अक्सर किशोरों द्वारा एआई के उपयोग के सबसे कम प्रेरणा स्रोतों में शामिल हैं: क्रमशः 4-6 प्रतिशत और 8-11 प्रतिशत।

जब सार्वजनिक चर्चा में एआई चैटबॉट को लगभग पूरी तरह से साथी के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, तो इससे किशोरों द्वारा एआई के साथ बिताए जाने वाले समय के अधिकांश भाग की अनदेखी होने का खतरा रहता है। हमारी टीम ने यह समझने का प्रयास किया कि जब युवा स्कूल के बाहर एआई का उपयोग करने के लिए स्वतंत्र होते हैं, तो वे इसके साथ क्या करना पसंद करते हैं - मनोरंजन करना, प्रयोग करना और अपनी कल्पना के पात्र बनाना।

ईरान के साथ वार्ता के लिए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल आज पाकिस्तान पहुंचेगा : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि अमेरिकी वार्ताकार सोमवार को ईरान के साथ दूसरे दौर की बातचीत के लिए पाकिस्तान पहुंचेंगे। ट्रंप ने धमकी दी कि अगर ईरान अमेरिका द्वारा प्रस्तावित समझौते को स्वीकार नहीं करता है, तो वह ईरान में नागरिक बुनियादी ढांचे को नष्ट कर देंगे। ट्रंप की यह घोषणा अमेरिका और ईरान के बीच 11 और 12 अप्रैल को इस्लामाबाद में हुई प्रत्यक्ष वार्ता के एक सप्ताह बाद आई है, जिसका उद्देश्य संघर्ष को समाप्त करना था, लेकिन इस वार्ता में कोई समझौता नहीं हो सका। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, मेरे प्रतिनिधि कल शाम को वार्ता के लिए इस्लामाबाद जा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 'फॉक्स न्यूज' से कहा, जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ पश्चिम एशिया की ओर रवाना हो रहे हैं। उनकी बैठक मंगलवार सुबह शुरू होगी। यह एक बहुत ही सरल समझौता है, वे इसके अधिकांश बिंदुओं पर सहमत हो गए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच आठ अप्रैल को हुए दो सप्ताह के संघर्षविराम समझौते की अवधि 22 अप्रैल को समाप्त होगी। होर्मुज जलडमरूमध्य वार्ता के पहले दौर के दौरान प्रमुख विवादों में से एक था और शनिवार को इसे लेकर जारी गतिरोध तब और बढ़ गया, जब ईरान ने संकरे जलमार्ग को पार करने की कोशिश कर रहे जहाजों पर गोलीबारी की, जबकि अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी जारी रखी। रविवार को ट्रंप ने कहा, ईरान की 'किलिंग मशीन' का अंत करने का समय आ गया है।

ट्रंप ने धमकी दी कि अगर ईरान अमेरिका द्वारा प्रस्तावित समझौते को स्वीकार नहीं करता है, तो वह ईरान के नागरिक ढांचे को नष्ट कर देंगे।अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हम एक बहुत ही उचित और तर्कसंगत प्रस्ताव दे रहे हैं, और मुझे उम्मीद है कि वे इसे स्वीकार करेंगे, क्योंकि, अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो अमेरिका ईरान के हर एक बिजली संयंत्र और हर पुल को ध्वस्त कर देगा।

सरगुन मेहता ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिलने पर जताई खुशी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सरगुन मेहता ने पंजाबी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'सरबाला जी' के लिए इंडियन नेशनल सिने अकादमी (आईएनसीए) अवार्ड में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार अपने नाम किया। शुक्रवार को अभिनेत्री ने अवॉर्ड मिलने की खुशी फैंस के साथ शेयर की। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर अवॉर्ड समारोह की साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें अभिनेत्री पति रवि दुबे के साथ नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में सरगुन फिल्म की पूरी टीम के साथ अवॉर्ड थामे मुस्कराते हुए नजर आ रही हैं। सरगुन ने लिखा, रज्जो को इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद। पूरी सरबाला जी की टीम का भी दिल से धन्यवाद। पंजाब, आपसे बहुत प्यार है। सरगुन की पोस्ट देखने के बाद उनके दोस्त और साथी कलाकारों ने तुरंत कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया दी। पंजाब सिनेमा की अभिनेत्री निमृत पाल कौर और कंटेंट क्रिएटर ने हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। अभिनेता तरसेम सिंह जस्सर ने लिखा, बहुत-बहुत बधाई। आपको आगे भी ऐसे ही ढेर सारी सफलताएं मिलती रहें, यही कामना है।

इंडियन नेशनल सिने एकेडमी अवॉर्ड बॉलीवुड और 11 अन्य क्षेत्रीय फिल्म उद्योगों को एक मंच पर लाकर सहयोग और ज्ञान-साझाकरण को बढ़ावा देती है। इसका लक्ष्य भारतीय सिनेमा को एकीकृत करना और एक पारदर्शी, प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार मंच प्रदान करना है।

मंदीप कुमार द्वारा निर्देशित फिल्म में अभिनेत्री ने रज्जो नाम की लड़की का किरदार अदा किया, जो अपने शालीन अभिनय और हास्य से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करती हैं। फिल्म में सरगुन से अलावा, गिप्पी ग्रेवाल, अम्मी विर्क, निमरत खैरा और गुग्गू गिल जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

मटका किंग ने प्राइम वीडियो इंडिया पर नंबर 1 पर एंट्री मारी

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई नई-नई रिलीज हुई सीरीज मटका किंग ने आते ही गेम पलट दिया है। 17 अप्रैल 2026 को लॉन्च होते ही सिर्फ 24 घंटे में प्राइम वीडियो इंडिया पर सबसे ज्यादा देखने जाने वाली सीरीज बन गई।

इतना ही नहीं, ये शो बेल्जियम जैसे इंटरनेशनल मार्केट्स में भी टॉप ट्रेंड कर रहा है यानी देसी कहानी, ग्लोबल धमाका! इस सीरीज को बनाया और डायरेक्ट किया है नागराज पोपटराव मंजुले ने, और लीड रोल में हैं विजय वर्मा जो आते ही स्क्रीन पर अपना जादू चला दिया है।

सोशल मीडिया पर भी मटका किंग की धूम मची हुई है, हर तरफ बस इसी की बातें हो रही हैं। नागराज मंजुले और अभय कोराने द्वारा लिखी गई ये कहानी हमें 60-70 के बॉम्बे में ले जाती है जहां शुरू होती है बृज भट्टी की कहानी। ये सिर्फ एक आदमी की कहानी नहीं, बल्कि मटका की दुनिया, बड़े सपने और सही-गलत के बीच की जंग का पूरा सफर है। लोगों को इसका विंटेज सेटअप, दमदार कहानी और एक्टिंग काफी पसंद आ रही है खासकर विजय वर्मा के किरदार की गहराई ने सबका ध्यान खींचा है।

सीरीज में कृतिका कामरा, साई ताम्हणकर, सिद्धार्थ जाधव और गुलशन ग्रोवर भी अहम किरदार में नजर आ रहे हैं। मटका किंग को प्रोड्यूस किया है सिद्धार्थ रॉय कपूर ने अपने बैनर रॉय कपूर फिल्म्स के तहत वही बैनर जिसने द स्काई इज पिंक, रॉकेट बॉयज़, पिप्पा, अरण्यक, ये बैले और लास्ट फिल्म शो जैसे प्रोजेक्ट्स दिए हैं, और अब अगली ऑफर तीन कौवे की तैयारी में है।

ये शो एक जबरदस्त टीमवर्क का नतीजा है जिसमें सिद्धार्थ रॉय कपूर, नागराज मंजुले, गर्गी कुलकर्णी, अश्विनी सिदवानी और आशीष आर्यन शामिल हैं, अपने-अपने बैनर्स रॉय कपूर फिल्म्स, अटपट और एसएमआर एंटरटेनमेंट के साथ। शुरुआत इतनी तगड़ी है कि साफ दिख रहा है मटका किंग सिर्फ इंडिया में ही नहीं, बल्कि ऊंचे लेवल में अपनी पकड़ बना रहा है। अब तो बस मुंह पब्लिसिटी का गेम शुरू है और लगता है ये रेट अभी थमने वाली नहीं!

बॉक्स ऑफिस पर भूत-बंगला का 21 करोड़ रुपए का कलेक्शन

मुंबई/एजेन्सी

अक्षय कुमार, राजपाल यादव और वामिका गब्बी स्टार फिल्म 'भूत बंगला' ने दर्शकों का दिल जीतने के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है। फिल्म का पहले दिन का कलेक्शन शानदार रहा है, जिसमें पेड-प्रीव्यू भी शामिल है। फिल्म में शानदार कॉमेडी से दिल जीतने वाले राजपाल यादव ने फिल्म का शानदार कलेक्शन शेयर किया है अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म 'भूत बंगला' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की है और दुनिया भर में लगभग 21.60 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। राजपाल यादव ने फिल्म के कलेक्शन से जुड़ा पोस्ट शेयर किया है, जिसमें फिल्म का पहले दिन का कलेक्शन पेड-प्रीव्यू के साथ शेयर किया है। अभिनेता ने कलेक्शन शेयर करने के साथ लिखा, बॉक्स ऑफिस कलेक्शन उतना ही चौंकाने वाला है जितना सिनेमाघरों में हंसी-मजाक का माहौल है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म ने देशभर में पेड-प्रीव्यू के दौरान लगभग 3 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया है, लेकिन पेड-प्रीव्यू के कलेक्शन को लेकर अभी तक मेकर्स की तरफ से कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। बता दें कि फिल्म भूत बंगला से दर्शकों को बहुत सारी उम्मीदें हैं क्योंकि अभिनेता लंबे समय बाद निर्देशक प्रियदर्शन के साथ पर्दे पर लौट रहे हैं। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी ने जब भी साथ काम किया है, तब दर्शकों को सिनेमाघरों में हंसी से लोटपोट देखा है। दोनों ने साथ में आखिरी बार 'खट्टा-मीठा' में काम किया था। इस जोड़ी ने मिलकर 'हेरा-फेरी,' 'दे दना दन', 'गरम मसाला', 'हे बेबी' और 'भूल-भुलैया' जैसी हिट फिल्में साथ में दी हैं। यही कारण है कि दर्शकों को फिल्म से बहुत ज्यादा उम्मीदें हैं। पहले फिल्म को मेकर्स 10 अप्रैल को रिलीज करने वाले थे, लेकिन 'धुरंधर द रिवेंज' की धमाकेदार कमाई और बॉक्स ऑफिस पर तेजी से बढ़ती रफ्तार की वजह से फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया था। फिल्म को 17 अप्रैल को रिलीज किया गया और एक दिन पहले, यानी 16 अप्रैल, को फिल्म का पेड-प्रीव्यू रखा गया था।

ताज

गोवा की साध्वी सैल को रविवार को भुवनेश्वर के कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी में 61वें फेमिना मिस इंडिया 2026 के दौरान फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2026 का ताज पहनाया गया।

वरुण-मृणाल का 'वियाह करवाड़ो जी' रिलीज़

मुंबई/एजेन्सी

पहले लुक से ही बज़ बना चुकी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है अब लेकर आई है 'वियाह करवाड़ो जी'एकदम फुल-ऑन शादी वाला एंथम, जो बारात से लेकर विदाई तक हर फंक्शन में बजेगा। गाने में वरुण धवन और मृणाल ठाकुर की जोड़ी पूरी रंगत में नजर आती हैरंग, हंगामा और नॉन-स्टॉप जश्न! वरुण अपने पूरे स्वैग के साथ एंट्री मारते हैं, वहीं मृणाल पहली बार स्क्रीन पर शादी वाले डांस में उतरकर पूरी तरह छा जाती हैं। मिका सिंह और असीस कौर की आवाज़ में सजा, वायु के लिखे और व्हाइट नॉइज़ कलेक्टिव्स के कंपोज़ किए इस गाने का हुक ऐसा है कि सीज़न शुरू होने से पहले ही हर संगीत प्लेलिस्ट में अपनी जगह पक्की कर लेगा।

टिप्स म्यूज़िक लिमिटेड के कुमार तौरानी ने कहा, टिप्स के पास शादी के गानों की लंबी और शानदार विरासत है। मुझे पूरा भरोसा है कि 'वियाह करवाड़ो जी' भी हमारे इस खज़ाने में एक और शानदार जोड़ बनेगा और लोगों की खुशियों भरी यादों का हिस्सा बनेगा। मिका की एनर्जी और वरुण का करिश्मा इसे पक्का हिट बनाते हैं, वहीं असीस की आवाज़ और मृणाल की मौजूदगी गाने में नई ताजगी लाती है।

टिप्स फिल्म्स लिमिटेड के रमेश तौरानी ने कहा, हम बेहद उत्साहित हैं इस रंग-बिरंगे भारतीय शादी एंथम को पेश करने के लिए। म्यूज़िक बनाने से लेकर इसे स्क्रीन पर जीवंत करने तक, कई टैलेंटेड लोगों की मेहनत इसमें शामिल है। अब इसे दर्शकों के साथ शेयर करने का बेसब्री से इंतज़ार है।मिका सिंह ने कहा, ये गाना पूरी तरह शादी वाला माहौल लेकर आता है! इसमें देसी मस्ती और ऐसी एनर्जी है जो हर जश्न को और बड़ा बना देती है।

असीस कौर ने जोड़ा, शादी के गाने हर कलाकार के लिए बेहद खास होते हैंआप लोगों की सबसे खुशहाल यादों का हिस्सा बन जाते हैं।

मिका जी के साथ इसे रिकॉर्ड करने में बहुत मज़ा आया। इस साल एक और शादी धमाका लाने को लेकर एक्साइटेड हूं, खासकर वरुण धवन के साथ मेरा दूसरा गाना। गीतकार वायु ने कहा, 'वियाह करवाड़ो जी' का आइडिया सीधा थाजवानी निकलती जा रही है, तो वियाह करवा दो जी! एक मज़ेदार, रिलेटेबल नज़रिया, जो फेस्टिव वाइब में लिपटा हुआ है। खुशी है कि ये गाना लोगों से तुरंत जुड़ रहा है। व्हाइट नॉइज़ कलेक्टिव्स ने बताया, हम चाहते थे कि इस ट्रैक की साउंड भव्य भी लगे और तुरंत पकड़ में भी आए। 'वियाह करवाड़ो जी' ऐसा गाना है जो लोगों को डांस फ्लोर पर खींच लाएएक बड़ी फैट इंडियन वेडिंग की एनर्जी के साथ, एकदम फ्रेश ट्विस्ट।

तो तैयार हो जाइए हर जश्न को बिजली से भी तेज़ डांस फेस्ट में बदलने के लिए, क्योंकि है जवानी तो इश्क होना है की पार्टी अभी बस शुरू हुई है! डेविड धवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में हैं। टिप्स फिल्म्स लिमिटेड द्वारा निर्मित और मैक्सिमिलियन फिल्म्स (यूके) के साथ सह-निर्मित यह फैमिली एंटरटेनर कॉमेडी, रोमांस और ड्रामा का फुल पैकेज है। फिल्म 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

बॉलीवुड के 'कॉमेडी किंग' हैं अरशद वारसी

मुंबई/एजेन्सी

'मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस.' का सर्किट का किरदार हो या 'गोलमाल' सीरीज के माधव, कॉमेडी के मामले में अरशद वारसी को टक्कर दे पाना बहुत मुश्किल है। इन दोनों ही किरदारों ने अरशद की जिंदगी बदल दी, लेकिन एक समय ऐसा था, जब अभिनेता ने सब कुछ खो दिया था और उनकी दुनिया पूरी तरीके से बदल गई थी। 19 अप्रैल को मुंबई में जन्मे अरशद वारसी के लिए हिंदी सिनेमा में पैर जमाना आसान नहीं था, और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे एक्टिंग की दुनिया में कदम रखेंगे, लेकिन कहते हैं कि भाग्य में जहां जाना लिखा होता है, वहां के दरवाजे आपके लिए खुलते ही चले जाते हैं। अभिनेता के साथ भी वैसा ही हुआ। माता-पिता की बीमारी और उनके असमय छोड़कर जाने की वजह से अरशद ने छोटी उम्र में काम करना शुरू कर दिया था।

अरशद ने खुद खुलासा करते हुए बताया था कि उनके पिता एक अच्छे बिजनेसमैन नहीं थे और उन्होंने पूरे परिवार को बर्बाद कर दिया था। अभिनेता के पिता ने सारा पैसा बिजनेस में डूबा दिया और बोन कैंसर से जूझने लगे, जबकि मां किडनी की बीमारी से ग्रसित थी। हर हफ्ते मां का डायलिसिस होता था और घर में सेविंग के नाम पर कुछ नहीं था। उन्होंने कहा था, उस वक्त मैं

कोरियोग्राफर था। गाने कोरियोग्राफ और प्ले करता था। मेरी सारी कमाई मां के एक हफ्ते के डायलिसिस पर खर्च हो जाती थी। हर हफ्ते यही प्रक्रिया दोबारा होनी थी। उस वक्त लगा कि क्या जिंदगी है, एक छोटे से घर में जिंदगी बिताना।

माता-पिता के निधन ने अभिनेता को तोड़ दिया था, क्योंकि कोई आस-पास नहीं था, जो मदद कर सके। उसी पल ने अरशद वारसी को एक रात में बड़ा कर दिया था। अरशद वारसी ने बचपन में माता-पिता के साथ गहरा लगाव महसूस नहीं किया था क्योंकि वे बोर्डिंग स्कूल में पढ़े थे। अभिनेता इतना अकेला महसूस करते थे, खुद को चिट्ठियां लिखते थे और अपने दोस्तों से डाक के जरिए पोस्ट कराते थे।

एक पुराने इंटरव्यू में अभिनेता ने बताया था कि मुझे वो लोग समझ नहीं आते, जो कहते हैं कि वे अपने माता-पिता के बिना नहीं रह सकते। कभी-कभी उनके माता-पिता उनकी छुट्टियां भूल जाते थे, जिसकी वजह से उन्हें स्कूल में ही छोड़ दिया जाता था जबकि बाकी बच्चे घर चले जाते थे। वे खुद को चिट्ठियां भी लिखते थे। मैं साल में सिर्फ दो बार घर जाता था।

इतना सब झेलने के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी और जया बच्चन की वजह से फिल्मों में एंट्री ली। अभिनेता की पहली फिल्म थी तेरे मेरे सपने।

यह फिल्म अमिताभ बच्चन की कंपनी एबीसीएल बैनर के तले बनी थी, जिसके बाद अभिनेता 'बेताबी,' 'मेरे दो अनमोल रत्न,' और 'हीरो हिंदुस्तानी' जैसी फिल्मों में दिखे, लेकिन सर्किट के किरदार ने सिनेमा में उन्हें जीवनदान दिया।

शाकद्विपीय महिला मंडल द्वारा खेलकूद प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां शनिवार को साहुकारपेट स्थित सूर्य भवन में शाकद्विपीय ब्राह्मण महिला मंडल चेन्नई द्वारा खेलकूद 'गर्मी में मस्ती' का आयोजन 18 अप्रैल को किया गया।

इस कार्यक्रम में 3 वर्ष से 15 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों ने भाग लिया। इस दौरान म्यूजिकल चेयर, बुक बैलेंस, नींबू और चम्मच दौड़ जैसे खेलों का आयोजन किया गया। सभी बच्चों ने इन खेलों का खूब आनंद लिया और पूरे उत्साह के साथ सभी खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के अंत में, प्रत्येक खेल के विजेताओं को उपहार प्रदान किए गए। सूर्य भवन में महिला मंडल की सभी सदस्यों, तथा 'श्री शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासभा' के पदाधिकारी और समिति सदस्य भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पुरुषों और महिलाओं, दोनों के लिए नींबू-चम्मच दौड़ का भी आयोजन किया गया।

उपस्थित सभी सदस्यों ने अक्षय तृतीया और श्री परशुराम जयंती के पावन अवसर पर एक दूसरे को शुभकामनाएं दी।

प्रचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर उत्तर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा की नेता एवं विधायक वानथी श्रीनिवासन ने वीरा शक्ति अम्मन मंदिर से पूजा अर्चना कर चुनाव अभियान की शुरुआत की। उन्होंने क्षेत्र में रोड़ शो किया। गौरतलब है कि वानथी का स्वास्थ्य खराब हो जाने के कारण एक सप्ताह तक वह अस्पताल में रही।

अक्षय तृतीया और परशुराम जन्मोत्सव मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां परमधाम अमृतवाणी सत्संग मंडल परिवार के तत्वावधान में अक्षय तृतीया और परशुराम जन्मोत्सव की विशेष सत्संग 19 अप्रैल को सिंधी धर्मशाला के प्रांगण में सुबह 10 से बजे से लेकर दोपहर 12.30 बजे तक हुई।

इसमें सबसे पहले गणेश वंदना गुरु वंदना और मां सरस्वती वंदना के बाद अमृतवाणी का पाठ और भजन प्रस्तुत किए गए। 'थाली भर के लाई रे खिचड़ो ऊपर घी की बाट की जीमो म्हारा श्याम धनी जीमावा बेटी जाट की..', 'मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल गए हैं राम आए हैं...' आदि भजनों में सभी भक्तजन झूम उठे। सदस्य अरविन्द कुमार दाधीच ने बताया कि सभी भक्तों को इस शुभ अवसर पर प्रसाद का खिचड़ा दिया गया।

आत्म बोध का अर्थ स्वयं को जानना है : ब्रह्मर्षि भानुप्रताप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बुल टेंपल रोड स्थित रामकृष्ण मठ में आयोजित अध्यात्म संवाद में ग्वालियर के बालाजी मठ मंदिर धार्मिक एवं पुण्यार्थ लोक न्यास के अध्यक्ष ब्रह्मर्षि भानुप्रताप दुबे ने अपने प्रवचन में कहा कि आत्म बोध एवं परमात्मा के साक्षात्कार के लिए मानव तन मिला है। आत्म बोध का अर्थ स्वयं को जानना है। समय और दुर्लभ मानव देह के सदपयोग को हाथ से न गंवाएं।उन्होंने कहा कि मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल भौतिक सुख सुविधाओं की प्राप्ति नहीं बल्कि अपने वास्तविक स्वरूप की पहचान करना है, इसी पहचान को आत्मबोध कहा जाता है। जब मनुष्य अपने भीतर स्थित चेतना-आत्मा और उसके परम स्रोत परमात्मा का अनुभव करता है तब वह जीवन के सर्वोच्च सत्य का साक्षात्कार करता है।

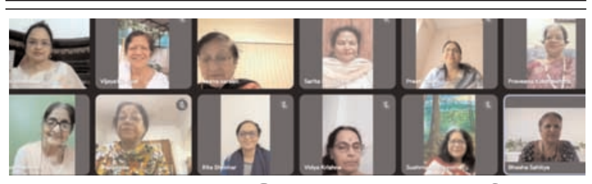

भाषा साहित्य मंच की मासिक काव्य गोष्ठी सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाषा साहित्य मंच की मासिक ऑनलाइन गोष्ठी शनिवार को संपन्न हुई। शिल्पी भटनागर ने संचालन किया। मंच की सह संयोजिका डॉ. वत्सला किरण द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं शोभा सतीश पाठक द्वारा सरस्वती वंदना की गई। ऋता शेखर ने अध्यक्षता की। सर्वप्रथम भाषा साहित्य मंच की संस्थापिका अध्यक्षा डॉ. ऊषा श्रीवास्तव ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया।

गोष्ठी में 'विधा मुक्त व विषय मुक्त' विषय पर वत्सला किरण, शोभा सतीश पाठक, डॉ ऊषा श्रीवास्तव, सरिता श्रीवास्तव, सुमन मेहरोत्रा, प्रवीणा कुलश्रेष्ठ, विद्या कृष्णा, वीना सरीन, विजया बाला, शैलजा, शिल्पी भटनागर ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां दी।

दीक्षा महोत्सव का पत्रिका लेखन समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां आरजी स्ट्रीट स्थित राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ द्वारा संचालित बड़ा सुपार्श्वनाथ मंदिर के तत्वावधान में, बाफणा परिवार के मुमुक्षु संयम श्रीपाल बाफणा के आगामी दीक्षा महोत्सव की आमंत्रण पत्रिका के लेखन का मांगलिक कार्यक्रम रविवार को अत्यंत उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। मंदिर के मीडिया प्रभारी किशोर जैन ने बताया कि दीक्षा समारोह 4-5 मई को यहां नेहरू विद्यालय मे होगा, तैयारियां जोरों में चल रही हैं।

19 अप्रैल नवकार अपार्टमेंट से बाजे-गाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। विभिन्न जैन संघों के प्रतिनिधियों और सकल श्रीसंघ के साथ दीक्षार्थी परिवार नाचते-गाते हुए संघ भवन पहुँचा। यह संपूर्ण आयोजन परम पूज्य आचार्य भगवंत श्रीमद् विजय हीरचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. एवं परम पूज्य साध्वीजी श्री कर्तव्यनिधीश्रीजी म.सा. की पावन निश्रा में संपन्न हुआ। आचार्यश्री के सान्निध्य में दीक्षा महोत्सव की पत्रिका का लेखन किया गया।

संघ के उपाध्यक्ष प्रकाश कोठारी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मंच संचालन संघ के सचिव गौतम बाफणा ने किया। इस महोत्सव के मुख्य आयोजक बिदामीबाई चम्पालाल बाफणा परिवार (पाली-मांडावास वाले) हैं, जिनकी संघ द्वारा खूब अनुमोदना की गई। कार्यक्रम के अंत में संघ के कोषाध्यक्ष तेजपाल राठौड़ ने उपस्थित सभी महानुभावों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अग्रवाल सभा द्वारा अन्न सेवा का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री अग्रवाल सभा द्वारा अपने 75वें प्लेटिनम जुबली वर्ष के उपलक्ष्य में चतुर्थ अन्न सेवा लोक पर्व के अंतर्गत नॉर्थ टाउन बिन्नी मिल्स, पेरम्बूर में भोजन वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभा के सदस्यों एवं स्वयंसेवकों ने मिलकर राहगीरों एवं जरूरतमंदों को ताजा भोजन एवं पेयजल वितरित किया। कार्यक्रम में सेवा भावना, सहयोग एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला। पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित एवं स्वच्छता के साथ संपन्न किया गया। स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सेवा कार्य को सफल बनाया। इस मौके पर अध्यक्ष सीताराम गोयल, महामंत्री बाल गोविंद गुप्ता, प्लेटिनम जुबली संयोजक विजय कुमार गोयल, कार्यक्रम संयोजक जगदीश प्रसाद अग्रवाल, कार्यक्रम उपसंयोजक आनन्द चौधरी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। सभा के पदाधिकारियों ने इस अवसर पर कहा कि पूरे प्लेटिनम जुबली वर्ष के दौरान ऐसे सेवा कार्य निरंतर आयोजित किए जाएंगे, जिससे समाज में सेवा, सहयोग एवं मानवता का संदेश प्रसारित हो सके।

ब्राह्मण समाज द्वारा परशुराम जयंती हर्षोल्लास से मनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। यहां ब्राह्मण समाज की ओर से परशुराम जन्म महोत्सव कॉलेज रोड़ पर तिरुपुर सेवा समिति में पण्डित हरीश शर्मा द्वारा गणेश वन्दना और भगवान परशुराम कि आरती अर्चना के साथ परशुराम जयंती बड़े धूमधाम से मनाया गया। ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पद का चुनाव किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से नवीन वशिष्ठ को ब्राह्मण समाज का अध्यक्ष बनाया गया। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज के पूर्व अध्यक्ष नवीन कुमार शर्मा एवं समाज के गणमान्य व्यक्ति मुलचंद शर्मा, राजेन्द्र प्रसाद पारीक, पवन शर्मा, नवीन वशिष्ठ, महावीर शर्मा, राजकुमार शर्मा, अशोक शर्मा, चक्रपाणि जोशी, अनील शर्मा, वेद प्रकाश शर्मा, अजय पुरोहित, भगवती शर्मा, लीलाधर शर्मा, सौरव शर्मा, मनोज शर्मा, अशोक पारीक, मनोज व्यास, सुनील व्यास, मदन जोशी, नन्दु पारीक, सुनील जोशी, कमलेश दाधीच, विकास शर्मा, सुखदेव शर्मा, नवीन जोशी, काशीराम शर्मा, मनोज शर्मा, मनीष जोशी, राजेश व्यास, अरविंद शर्मा, पुनित शर्मा, विरेन्द्र शर्मा, महेंद्र शर्मा, प्रवीण शर्मा, राजेंद्र शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज के पूर्व अध्यक्ष नवीन शर्मा ने समाज के एक जुट रहने की बात कही।

ब्राह्मण समाज तिरुपुर के नए अध्यक्ष नवीन वशिष्ठ ने सभी को भगवान परशुराम जन्मोत्सव की ढेरों शुभकामनाएं दी। नवीन वशिष्ठ ने बताया कि भगवान परशुरामजी से हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने और सत्य के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा मिलती है। अतुलनीय पराक्रम और विवेक के प्रतीक भगवान परशुराम की कृपा से हर हृदय में नई ऊर्जा और नए आत्मविश्वास का संचार हो। उनका आशीर्वाद सभी के जीवन को सुख, शांति और समृद्धि से आलोकित करे।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके से मुलाकात की

कोलंबो/भाषा। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने रविवार को यहां श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके से मुलाकात की और भारतीय आवास परियोजना एवं मछुआरों के मुद्दों सहित दोनों दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों के बीच विभिन्न पहलों पर चर्चा की। दो दिवसीय दौरे पर आज सुबह यहां पहुंचे राधाकृष्णन ने दिसानायके के साथ श्रीलंका में जारी भारतीय परियोजना के कार्यान्वयन पर भी चर्चा की। कोलंबो के भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खेल मंत्री सुनील कुमार गामागे और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने 49 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ आए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का स्वागत किया। अधिकारियों ने बताया कि राधाकृष्णन की यह यात्रा किसी भारतीय उपराष्ट्रपति की श्रीलंका की पहली यात्रा है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के ईरोड में विधानसभा चुनाव के तहत इरोड पूर्व विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी गोपीनाथ पलानियप्पन के चुनाव प्रसार अभियान के दौरान यहां आए राजस्थान से राज्यसभा सांसद नीरज डांगी का स्वागत करते हुए प्रवासी समाज के रमेशचंद बाफना व संतोषकुमार मेहता। उन्होंने शॉल ओढाकर एवं माला पहनाकर डांगी का स्वागत किया।

सोमनाथ मंदिर के पुनरुद्धार कार्य में बाधक बने थे नेहरू : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर सोमनाथ मंदिर के पुनरुद्धार कार्य में 'बाधक' बनने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने (नेहरू) तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने से मना किया था।

मुख्यमंत्री ने रविवार को लखनऊ में आयोजित 'सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा उत्तर प्रदेश' की शुरुआत के अवसर पर कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि देश की सनातन आस्था पर प्रहार किया गया था। उन्होंने कहा, भारत माता के महान सपूत और देश की अखंडता के शिल्पी लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ मंदिर की दुर्दशा देखकर इसके पुनरुद्धार का संकल्प लिया था, लेकिन इस मार्ग में बाधक पंडित नेहरू बने।

आदित्यनाथ ने कहा कि सरदार पटेल के दृढ़ संकल्प के चलते पुनरुद्धार का कार्य आगे बढ़ा और मंदिर निर्माण पूरा होने के बाद प्राण प्रतिष्ठा समारोह को भव्य रूप से आयोजित करने की तैयारी की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय आयोजन समिति द्वारा राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद को आमंत्रित किए जाने के बावजूद कांग्रेस सरकार और नेहरू ने इसमें भी बाधा डालने की कोशिश की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नेहरू का मानना था कि राष्ट्रपति का इस कार्यक्रम में शामिल होना धर्मनिरपेक्षता की भावना के विपरीत होगा। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर 'तुष्टीकरण की पराकाष्ठा' का आरोप लगाते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 लागू करने वाली सरकार ने भी इस धार्मिक आयोजन में राष्ट्रपति की भागीदारी का विरोध किया, लेकिन सरदार पटेल और डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कार्यक्रम को संपन्न कराया। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सनातन आस्था और राष्ट्रीय स्वाभिमान को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है।

आदित्यनाथ ने अयोध्या के राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और मां विंध्यवासिनी कॉरिडोर के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की सनातन संस्कृति पर हुए हमलों के बावजूद आस्था अडिग रही है।

अक्षय तृतीया की हार्दिक शुभकामनाएँ

WITH BEST COMPLIMENTS FROM

SHRI. JAIGOPAL GARODIA
FOUNDER CHAIRMAN

SWAMI VIVEKANANDA

JAIGOPAL GARODIA GROUP OF INSTITUTIONS
U-6, 7th Street, Annanagar, Chennai - 600 040
Ph : 044-2621 3224, 2628 9909, 2620 6261
e-mail : jgvvan@gmail.com | web : www.jaigopalgarodia.org

"EDUCATION FOR ALL IS MY VISION AND GOAL TO INSTILL NATIONALISM AND PATRIOTISM AND MAKE BHARAT STRONG AND GLORIOUS".
-JAIGOPAL GARODIA

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.